राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Facebook Twitter G+ Google play LinkedIn
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,27 अगस्त-2021 वर्ष-4,अंक-215 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्षों से जेल में बंद कैदियों को अपने स्तर पर रिहा कर यूपी सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबे समय से सुनवाई न होने के कारण 10 वर्षों से अधिक समय से जेल में बंद करीब 7,214 कैदियों को लेकर चिंता जताई और उत्तर प्रदेश सरकार को मुनासिब कैदियों को अपने स्तर पर रिहा करने को कहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को नोटिस

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस हृषिकेश रॉय की पीठ ने यूपी सरकार से कहा कि आपराधिक अपील लंबित होने के कारण वर्षों से कैदी जेल में बंद हैं। ऐसे में राज्य सरकार को अपने स्तर पर 'मुनासिब' कैदियों को रिहा करना चाहिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट लंबे समय से लंबित आपराधिक अपीलों के मद्देनजर दोषियों को जमानत देने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के लिए दिशानिर्देश बनाने की प्रक्रिया में है। इस संबंध में राज्य सरकार का सुझाव आने के बाद हाईकोर्ट का पक्ष भी जानना चाहा है। लिहाजा पीठ ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को नोटिस जारी किया है।

10 वर्षों से अधिक समय से यूपी की जेलों में बंद हैं करीब 7214 कैदी-सुनवाई के दौरान यूपी की एडिशनल एडवोकेट जनरल (एएजी) गरिमा प्रसाद ने पीठ को बताया कि हाईकोर्ट में करीब 1.83 लाख आपराधिक मामले लंबित हैं। इनमें से 7214 कैदी ऐसे हैं जो 10 वर्षों से अधिक समय से जेल में बंद हैं और उनकी अपील पर सुनवाई नहीं हुई है। इनमें से कई गरीब हैं उनके पास संसाधन नहीं हैं। पीठ ने आदेश दिया कि अगली तारीख (22 सितंबर) से पहले राज्य अपने स्तर पर कैदियों को रिहा करने की कुछ कार्रवाई करें। कैदियों को लंबे समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता। यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वर्ष 2000 से लेकर अब तक हाईकोर्ट की इलाहाबाद और लखनऊ पीठ में 1,71,491 आपराधिक अपील दायर की गई हैं।

संकट में भी दोस्ती निभा रहा भारत, 24 भारतीयों के साथ 11 नेपालियों को भी काबुल से ला रहा

काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से भारत आपरेशन देवी शक्ति के तहत अब तक अफगानिस्तान से 800 से ज्यादा लोगों को वापस ला चुका है। इनमें भारतीय नागरिक के साथ ही अफगान और नेपाली नागरिक भी शामिल हैं।

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से ही भारत सहित कई देशों के नागरिक काबुल छोड़ना चाह रहे हैं। भारत भी अपने नागरिकों को वहां से निकालने के लिए ऑपरेशन देवी शक्ति चला रहा है। हालांकि, भारत इस संकट की स्थिति में भी सिर्फ अपने नहीं बल्कि दूसरे देशों के नागरिकों को निकालने में भी मदद कर रहा है। गुरुवार को भी भारतीय वायुसेना का एक विमान 24 भारतीयों और 11 नेपाली नागरिकों को लेकर काबुल से दिल्ली के लिए रवाना हो चुका है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बीते हफ्ते ही काबुल से नागरिकों को वापस देश लाए जाने के अभियान को 'ऑपरेशन देवी शक्ति' नाम दिया गया था।

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभियान का नाम देवी शक्ति इसलिए चुना गया है क्योंकि यह रेस्क्यू मासूम और निर्दोष लोगों को हिंसा से बचाने की एक कोशिश है। यह ठीक वैसे ही है जैसे 'मां दुर्गा' राक्षसों से निर्दोषों को बचाती हैं। यहां यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि पीएम नरेंद्र मोदी देवी दुर्गा के भक्त हैं और वह नवरात्रि के दिनों में उपवास रखते हैं।

● भारत इस संकट की स्थिति में भी सिर्फ अपने नहीं बल्कि दूसरे देशों के नागरिकों को निकालने में भी मदद कर रहा है। गुरुवार को भी भारतीय वायुसेना का एक विमान 24 भारतीयों और 11 नेपाली नागरिकों को लेकर काबुल से दिल्ली के लिए रवाना हो चुका है।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान में रह रहे सभी भारतीयों से अपील की थी कि अगर उन्हें युद्धग्रस्त देश में किसी भी मदद की जरूरत है तो वे तुरंत स्पेशल अफगानिस्तान सेल से संपर्क करें।

भारत का नेशनल पाम ऑयल मिशन

अभी तक काबुल से करीब 626 लोगों को भारत लाया जा चुका है, जिनमें भारतीय नागरिकों के साथ ही अफगानी और नेपाली भी शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को बताया कि अभी तक कुल 626 लोगों को काबुल से लाया गया है, जिनमें 228 भारतीय नागरिक हैं और 77 अफगानी सिख।

बता दें कि 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से ही वहां के नागरिक देश छोड़कर भागना चाहते हैं। अफगानिस्तान में हालात दिनोंदिन बदतर होते जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में फिर बढ़ने लगे कोरोना के नए मामले

पांच दिन में पांच हजार पॉजिटिव मरीज मिलने से तीसरी लहर की बढ़ी चिंता

मुंबई। देशभर में डेल्टा प्लस वैरिएंट की चिंता के बीच महाराष्ट्र में कोरोना के दैनिक मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पांच दिन के भीतर कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। राज्य में बुधवार (25 अगस्त) को 5,031 नए मामले सामने आए और 216 संक्रमितों की मौत हो गई। इससे पहले 21 अगस्त तक संक्रमितों की संख्या पांच हजार से कम आ रही थी। 17 अगस्त को राज्य में संक्रमण के 4,355 नए मामले सामने आए थे और 119 लोगों की मौत हुई थी। मामलों में लगातार आ रही कमी से लोगों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन फिर से कोरोना के दैनिक मामलों में बढ़ोतरी शुरू हो गई है। महाराष्ट्र में अब 50,183 मरीजों का इलाज चल रहा है। बता दें कि महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस वेरिएंट के भी लगातार मामले सामने आ रहे हैं। एक अंग्रेजी मीडिया से बात करते हुए मुंबई स्थित मसीना अस्पताल के निदेशक डॉ सत्येंद्र नाथ मेहरा ने कहा कि लोग धीरे-धीरे कोविड-उपयुक्त व्यवहार को छोड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आप देख सकते हैं कि कुछ समय पहले तक सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा रहा था, लेकिन अब लोग इसे भी भूल रहे हैं और मास्क पहनने और सावधानी बरतने के मामले में भी लोग लापरवाह हो गए हैं। इसके अलावा डेल्टा प्लस वायरस के मामले भी बढ़ रहे हैं। अगर यह जारी रहा, तो हमें तीसरी लहर का सामना करना पड़ सकता है।

मुंबई में 342 नए मामले-मुंबई में बीते 24 घंटे में कोरोना के 342 नए मामले सामने आए हैं और चार लोगों ने दम तोड़ दिया। मुंबई में 15,956 सक्रिय मरीज हैं। आंकड़ों की मानें तो महाराष्ट्र में अब तक कोरोना के मामलों की संख्या 6,437,680 है, जबकि अब मरने वालों की कुल संख्या 136,571 हो गई है। महाराष्ट्र में मौतों का आंकड़ा सबसे अधिक पुणे का है।

भारत को मिलेगी पहली महिला CJI?

सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के भेजे 9 नामों पर केंद्र की मुहर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की ओर से भेजे गए सभी 9 जजों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इन 9 जजों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। इन नामों में से कोई एक आने वाले समय में भारत की पहली महिला तीफ जस्टिस ऑफ इंडिया भी बन सकती हैं।

कॉलेजियम ने जिन नामों की सिफारिश की है उनमें कर्नाटक हाई कोर्ट की जस्टिस बीवी नगरत्ना, तेलंगाना हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस हिमा कोहली, गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस बेला त्रिवेदी के नाम भी हैं। बाकी नामों में नामों में जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका (कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश), विक्रम नाथ (गुजरात हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश), जितेंद्र कुमार माहेश्वरी (सिक्किम हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश), सीटी रविकुमार (केरल हाई कोर्ट में न्यायाधीश) और एमएम सुंदरेश (केरल हाई कोर्ट में न्यायाधीश) शामिल हैं।

मौजूदा समय में सुप्रीम कोर्ट में 24 न्यायाधीश हैं। नौ जजों की नियुक्ति के बाद भी शीर्ष न्यायालय में एक पद खाली रहेगा। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक, केंद्र सरकार ने कॉलेजियम की तरफ से दिए गए सभी 9 नामों पर मंजूरी दे दी है। सिफारिश किए गए नामों में से जस्टिस नागारात्ना भारत की पहली महिला चीफ जस्टिस बन सकती हैं। हालांकि, वह 25 सितंब से 29 अक्टूबर 2027 तक के छोटे समयावधि के लिए यह पद संभाल सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट में कॉलेजियम में CJI एनवी रमना, और जस्टिस उदय यू ललित, एएम खानविलकर, धनंजय वाई चंद्रचूड़ और एल नागेश्वर राव शामिल थे।

नवंबर 2019 में सीजेआई के रूप में न्यायमूर्ति रंजन गोगोई की सेवानिवृत्ति के बाद से, कॉलेजियम ने शीर्ष अदालत में नियुक्तियों के लिए केंद्र सरकार को एक भी सिफारिश नहीं भेजी थी। 12 अगस्त को न्यायमूर्ति नरीमन के बाहर हो जाने के बाद से 9 लोगों की जगह खाली थी।

कोरोना कवच-करीब दो लाख बच्चों को दी जाएगी जायडस कैडिला की वैक्सीन

नई दिल्ली। जायडस कैडिला की डीएनए आधारित वैक्सीन को लेकर सबसे अधिक चर्चाएं हो रही हैं। एक तरफ राष्ट्रीय तकनीकी सलाह समिति ने वैक्सीन को आपात इस्तेमाल की अनुमति मिलने के बाद दिशा निर्देश तैयार करना शुरू कर दिया है। यह टीका अधिकतम दो लाख बच्चों को दिया जा सकता है। इन बच्चों की आयु 12 से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए। वहीं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि पहले कोवाक्सिन और अब जायडस कैडिला कंपनी की इस डीएनए वैक्सीन का अंतिम परीक्षण परिणाम सार्वजनिक नहीं हुआ, लेकिन सरकार ने अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर ही इसे अनुमति दे दी। अप्रैल 2021 में भारत सरकार के ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने जायडस कैडिला कंपनी को विराफिन नामक इंजेक्शन का इस्तेमाल कोविड मरीजों में करने की अनुमति दी थी। उस दौरान भी तीसरे चरण का परीक्षण पूरा नहीं हुआ था और कंपनी ने इसे असरदार मिलने का दावा किया था। यह 12 हजार रुपये की कीमत में उपलब्ध होता है। अनुमति मिलने के कुछ समय बाद बीते 20 अगस्त को जब तीसरे चरण के परीक्षण परिणाम सार्वजनिक हुए तो विराफिन कोई बड़ा असर मरीजों में दिखाई नहीं दिया।

भारत में वैक्सीन परीक्षण किसी दौड़ से कम नहीं-स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. स्वप्निल पारेख का कहना है कि भारत में वैक्सीन का परीक्षण किसी दौड़ से कम नहीं है। फॉर्मा कंपनियों में एक तरह की प्रतियोगिता सी देखने को मिल रही है। उन्होंने व्यंग्य में कहा कि कंपनियों के बीच दौड़ है कि कौन सबसे खराब परीक्षण आक्रामक तेजी से कर सकता है और जनता के विश्वास पर बुरा प्रभाव डाल सकता है।

करीब दो लाख हैं गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चे-टीकाकरण को लेकर गठित तकनीकी समिति ने बुधवार से दिशा-निर्देश बनाना शुरू कर दिया है। वयस्कों के साथ ही यह वैक्सीन 12 से 18 वर्ष की आयु वाले उन बच्चों को मिलेगी जिन्हें पहले से कोई न कोई बीमारी है। ऐसे बच्चों की संख्या देश में अधिकतम दो लाख है।

कर्नाटक के मैसूर में मेडिकल छात्रा से गैंगरेप, बॉयफ्रेंड की भी बुरी तरह की पिटाई, सीएम ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली। कर्नाटक के मैसूर में मौजूद एक प्राइवेट कॉलेज में मेडिकल की पढ़ाई कर रही एक उत्तर प्रदेश की स्टूडेंट से मंगलवार रात को गैंगरेप का मामला सामने आया है। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। घटना शहर के बाहरी इलाके में हुई जब छात्रा अपने बॉयफ्रेंड के साथ चामुंडा हिल्स से लौट रही थी। तभी कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और पैसों की मांग की। पुलिस ने बताया है कि जब दोनों ने पैसे नहीं दिए तो 6 लोगों ने छात्रा के साथ रेप किया और बॉयफ्रेंड की पिटाई की। पुलिस ने बताया कि जब पैसे देने से इनकार कर दिया तो अपराधियों ने पीड़िता के दोस्त को पीटना शुरू कर दिया और पीड़िता को अपराध स्थल पर ले गए। मैसूर के पुलिस आयुक्त डॉ.चंद्रगुप्त ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने मामले की जांच के लिए कई टीम गठित की है।

लड़की को लगभग 1:30 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुबह अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक एफआईआर दर्ज की गई है। आगे की जांच की जारी है। मैंने अधिकारियों से मामले को बहुत अच्छी तरह से संभालने के लिए कहा है।

गृह मंत्री श्री अरागा ज्ञानेंद्र ने बताया कि मंगलवार रात दुष्कर्म में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। मैसूर के पुलिस आयुक्त डॉ चंद्रगुप्त ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के लिए कई टीमों का गठन किया।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पुलिस महानिदेशक प्रवीण सूद को दोषियों को पकड़ने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है। बोम्मई ने कहा, बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मैंने डीजीपी को निर्देश दिया है कि जिसने भी यह घटिया का किया है, उसकी पहचान की जाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा एक एफआईआर दर्ज की गई है और हमारे अधिकारियों को बेंगलुरु से मैसूर भेजा गया है। मैं भी कल मैसूर जा रहा हूं। यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। दो छात्रों ने कल हेलीपैड के पास जंगल का दौरा किया था। शाम करीब 7:30 बजे बदमाशों के एक समूह ने उनका पीछा करने के बाद यह अपराध किया।

उन्होंने आगे कहा लड़की को लगभग 1:30 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुबह अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक एफआईआर दर्ज की गई है। आगे की जांच की जारी है। मैंने अधिकारियों से मामले को बहुत अच्छी तरह से संभालने के लिए कहा है।

भारतीयों को लगी ऑनलाइन रहने की आदत, कोरोना बना बड़ी वजह

76 फीसदी भारतीयों ने कहा कि वे स्क्रीन के सामने बिताने वाले समय को सीमित करने के लिए दोस्तों के साथ समय व्यतीत करने के साथ अन्य गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं।

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी की वजह से डिजिटल कार्य रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। खास बात है कि लोग ऑनलाइन रहने के शिकार हो गए हैं। साइबर सिक्योरिटी कंपनी नॉर्टनलाइफलॉक के वैश्विक अध्ययन के मुताबिक, 66 फीसदी यानी हर तीन में से दो भारतीय महामारी के कारण ऑनलाइन रहने की आदत के शिकार हो गए हैं।

अध्ययन में शामिल 74 फीसदी भारतीयों ने माना कि वे स्क्रीन के सामने जितना समय बिताते हैं, उससे उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। 55 फीसदी का कहना है, इस आदत की वजह से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।

ऑन-ऑफ स्क्रीन के बीच संतुलन जरूरी

नॉर्टनलाइफलॉक के भारत एवं सार्क देशों के निदेशक (सेल्स एंड मार्केटिंग) रितेश चोपड़ा का कहना है कि महामारी ने उन कार्यों के लिए स्क्रीन पर निर्भरता बढ़ा दी है, जिन्हें ऑफलाइन किया जा सकता है। हालांकि, हर व्यक्ति के लिए अपने ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन समय के बीच एक स्वस्थ संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है ताकि स्वास्थ्य और उससे भी ज्यादा उनके बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े।

अध्ययन में घर पर रहने के दौरान उपभोक्ताओं के ऑनलाइन व्यवहार की समीक्षा की गई है। 1,000 से ज्यादा भारतीय वयस्कों पर द हैरिस पोल की ओर से किए ऑनलाइन अध्ययन में 82 फीसदी लोगों ने कहा कि शिक्षा और पेशेवर कार्य के लिए इस्तेमाल से अलग डिजिटल स्क्रीन के सामने बीतने वाला उनका समय महामारी के दौरान काफी ज्यादा बढ़ गया। भारत में एक वयस्क पेशेवर या शिक्षा कार्यों से अलग स्क्रीन पर हर दिन औसतन 4.4 घंटे गुजारता है। स्मार्टफोन वह आम उपकरण है, जिसके इस्तेमाल में वे काफी ज्यादा समय (84 फीसदी) गुजारते हैं।

बच्चों के लिए साइबर सुरक्षा की जानकारी महत्वपूर्ण

चोपड़ा ने कहा कि ऑनलाइन परिदृश्य में साइबर खतरों की संख्या और प्रकारों में बढ़ोतरी हुई है। उपयोगकर्ताओं को इसका ध्यान रखना चाहिए कि वे अपने कनेक्टेड उपकरणों का उपयोग कैसे और कहां करते हैं। सुविधा सुरक्षा से बढ़कर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत या गोपनीय जानकारी के नुकसान के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। माता-पिता के लिए इस बात को जानना और अपने बच्चों को साइबर सुरक्षा की जरूरत के बारे में जानकारी देना महत्वपूर्ण है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जांच पर सवाल

पूर्व और वर्तमान सांसदों, विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों की धीमी जांच बहुत चिंताजनक है। जिन मामलों में जल्दी फैसले आ जाने थे, वे भी अटके हुए हैं। कुछ आपराधिक मामले तो 15 साल पहले दर्ज हुए थे और मामले भी ऐसे, जिनमें दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा भी हो सकती थी, लेकिन ऐसे मामलों में भी जांच की दिशा में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की धीमी कार्रवाई बहुत चिंता में डाल देती है। सीबीआई के पास विधायकों और सांसदों से संबंधित 163 आपराधिक मामले लंबित हैं, जबकि प्रवर्तन निदेशालय के पास 122 मामले। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी जांच एजेंसियों को यथोचित ही फटकार लगाई है। 10-15 साल पहले दर्ज हुए मामलों में भी आरोपपत्र दायर नहीं किए गए हैं। देश के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना ने इन एजेंसियों से कारण बताने को कहा है। प्रवर्तन निदेशालय केवल संपत्तियों को कुर्क कर रहा है और इसके अलावा कुछ नहीं। तीन जजों की पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति रमना ने साफ कह दिया है कि मामलों को यूं लटकाए न रखें, आरोपपत्र दाखिल करें। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी बहुत मायने रखती है। प्रधान न्यायाधीश ने लगे हाथ यह भी कहा है कि हम इन एजेंसियों के खिलाफ कुछ नहीं कहना चाहते, क्योंकि हम इनका मनोबल गिराना नहीं चाहते हैं। लेकिन यह सब (लंबित मामलों की संख्या) बहुत कुछ कहता है। ऐसा लगता है, इन एजेंसियों को जांच या मामलों को न्यायपूर्ण अंजाम तक पहुंचाने की कोई जल्दी नहीं है और यह बात सुप्रीम कोर्ट के सामने भी साफ तौर पर आई है। आज की स्थिति में एजेंसियां देरी के स्पष्ट कारण बताने की स्थिति में भी शायद नहीं हैं। यह स्थिति चौंकाती नहीं है, जब भी अपनी व्यवस्था में बड़े लोगों के खिलाफ शिकायत सामने आती है, तब उसका अंजाम पर पहुंचना आसान नहीं होता। कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियां भी यह बात नहीं समझतीं कि अगर किसी अपराधी नेता को दस साल का मौका मिल गया, तो वह दो बार चुनाव जीतकर क्या कर सकता है? क्या किसी अपराधी नेता से हम उम्मीद कर सकते हैं कि वह देश में कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को सहजता से काम करने देगा? असल चिंता यही है। इसमें कोई शक नहीं है कि राजनीति में अपराधियों की पैठ को रोकना सबकी जिम्मेदारी है। विशेष रूप से राजनीतिक दलों को अपनी भूमिका के प्रति सजग होना चाहिए। कुछ ही समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य मामले में नौ राजनीतिक दलों को अवमानना का दोषी ठहराया था। दिक्कत यह है कि राजनीतिक दल दागी नेताओं को बचाने की हर मुमकिन कोशिश करते हैं। राजनीति में अपराधीकरण पर तल्ख टिप्पणी करते हुए शीर्ष अदालत एकाधिक बार इशारा कर चुकी है कि राजनीतिक दल राजनीति से अपराध खत्म करने की दिशा में सही कदम नहीं उठा रहे हैं। क्या सुप्रीम कोर्ट की ताजा पहल के बाद सुधार की संभावना बढ़ी है। प्राथमिक स्तर पर इन महत्वपूर्ण जांच एजेंसियों में मानव संसाधन की कमियों को पूरा करना चाहिए और इसके साथ ही अदालतों में भी कोई पद खाली नहीं रहना चाहिए, तभी कानून-व्यवस्था पूरी क्षमता के साथ काम कर सकेगी।

'आज के ट्वीट

सच्ची श्रद्धांजलि

अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग का नाम कल्याण सिंह जी के नाम पर रखे जाने का मैं स्वागत करता हूँ। वह एक परम रामभक्त थे, और यह उनके लिये एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

- पियुष गोयल

जलवायु परिवर्तन ने अत्यधिक वर्षा की संभावना

– निशान्त

जलवायु वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा एक रैपिड एट्रिब्यूशन अध्ययन में पाया गया है कि जलवायु परिवर्तन ने अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की संभावना को 1.2 से 9 गुना अधिक बढ़ा दिया है। हाल ही में जर्मनी, बेल्जियम और पड़ोसी देशों में पिछले महीने आयी विनाशकारी बाढ़ इसी का नतीजा है। रैपिड एट्रिब्यूशन अध्ययन में यह भी पाया गया कि इस क्षेत्र में इस तरह की वर्षा अब मानव जनित वार्मिंग के कारण 3-19% ज़्यादा भारी है। 12-15 जुलाई के दौरान पश्चिमी यूरोप के कुछ हिस्सों में अत्यधिक वर्षा हुई, जर्मनी में अहर और एरफ़्ट नदियों के आसपास एक ही दिन में 90mm से अधिक जो पिछले रिकॉर्ड की तुलना में कहीं अधिक है। बेल्जियम और जर्मनी में बाढ़ से कम से कम 220 लोगों की मौत हो गई। अपनी प्रतिक्रिया देते हुए न्यूकैसल विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन प्रभावों के प्रोफेसर, हेली फाउलर, ने कहा, 'हमारे अत्याधुनिक जलवायु मॉडल भविष्य की और ज़्यादा गर्म दुनिया में धीमी गति से चलने वाली अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि का संकेत देते हैं। यह घटना स्पष्ट रूप से दिखाती है कि कैसे समाज वर्तमान मौसम की चरम सीमाओं के प्रति लचीला नहीं है। हमें जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना चाहिए, साथ ही आपातकालीन चेतावनी और प्रबंधन प्रणालियों में सुधार करना चाहिए और अपने बुनियादी ढांचे को क्लाइमेट रेसिलिएंट बनाना चाहिए – हताहतों की संख्या और लागत को कम करने और उन्हें इन चरम बाढ़ की घटनाओं का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए।' जलवायु वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम के अनुसार जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग में पिछले महीने जिस वजह से बाढ़ आयी थी, जलवायु परिवर्तन ने अत्यधिक वर्षा की घटनाओं को उन घटनाओं के समान बना दिया है और इनकी 1.2 से 9 गुना अधिक होने की संभावना है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि मानव जनित वार्मिंग के कारण इस क्षेत्र में इस तरह की वर्षा अब 3-19त्न ज़्यादा भारी है। आगे, डॉ. फ्रैंक क्रिएनकैंप, क्षेत्रीय जलवायु कार्यालय पॉट्सडैम के प्रमुख, ड्यूशर वेटरडाइनस्ट [जर्मन मौसम सेवा] ने कहा, 'यह घटना एक बार फिर प्रदर्शित करती है कि अब तक देखे गई रिकॉर्ड को क़तई तोड़ने वाली चरम सीमाएं, जो जलवायु परिवर्तन से बदतर होती हैं, कहीं भी हावी हो सकती है, भारी नुकसान पहुंचा सकती है और घातक हो सकती है। पश्चिमी यूरोप के स्थानीय और राष्ट्रीय अधिकारियों को संभावित भविष्य की घटनाओं के लिए बेहतर तरीक़े से तैयार होने के लिए अत्यधिक वर्षा से बढ़ते जोखिमों के बारे में पता होना चाहिए। नतीजे इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (**IPCC**) की इस महीने की प्रमुख रिपोर्ट के निष्कर्षों को पुष्ट करते हैं, जिनमें कहा गया है कि अब इस बात का स्पष्ट सबूत हैं कि ग्रह की जलवायु को मनुष्य गर्म कर रहे हैं और मानव-जनित जलवायु परिवर्तन चरम मौसम में बदलाव का मुख्य चालक है। रिपोर्ट में पाया गया कि, जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, पश्चिमी और मध्य यूरोप में अत्यधिक वर्षा और बाढ़ बढ़ेगी। 12-15 जुलाई के दौरान पश्चिमी यूरोप के कुछ हिस्सों में अत्यधिक वर्षा हुई, उदाहरण के लिए, जर्मनी में अहर और एरफ़्ट नदियों के आसपास एक ही दिन में 90mm से अधिक वर्षा गिरी, जो पिछले रिकॉर्ड की तुलना में कहीं अधिक है। परिणामस्वरूप बाढ़ों ने बेल्जियम और जर्मनी में कम से कम 220 लोगों की जान ले ली। **IPCC** रिपोर्ट के कुछ प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित करने वाले सहकर्मी-समीक्षा विधियों के बाद, बाढ़ का कारण बनने वाली तीव्र वर्षा पर जलवायु परिवर्तन की भूमिका की गणना करने के लिए, वैज्ञानिकों ने जैसा जलवायु आज है उस की तुलना, 1800 के दशक से लगभग 1.2°C ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापमान में वृद्धि) के बाद, अतीत की जलवायु के साथ करने के लिए मौसम के रिकॉर्ड और कंप्यूटर सिमुलेशन का विश्लेषण किया। प्रो. मार्टीन वैन आल्स्ट, निदेशक, रेड क्रॉस रेड क्रिसेंट क्लाइमेट सेंटर और प्रोफ़ेसर क्लाइमेट एंड डिज़ास्टर रेज़िलिएंन, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्वेंटी ने कहा कि 'इन बाढ़ों की भारी मानवीय और आर्थिक लागत एक स्पष्ट अनुस्मारक है कि दुनिया भर के देशों को अधिक चरम मौसम की घटनाओं के लिए तैयार होने की आवश्यकता है, और इस तरह के जोखिमों को और भी क़ाबू से बाहर होने से बचने के लिए हमें तत्काल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता है।' अध्ययन में विशेष रूप से प्रभावित दो क्षेत्रों में बाढ़ का कारण बनने वाली अत्यधिक वर्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया- जर्मनी का अहर और एरफ़्ट क्षेत्र, जहां, औसतन, एक दिन में 93 mm बारिश एक दिन में गिरी, और बेल्जियम मीयूज क्षेत्र, जहां दो दिनों में 106mm बारिश गिरी। वैज्ञानिकों ने नदी के स्तर के बजाय वर्षा का विश्लेषण किया किसी हद तक इस वजह से कि कुछ माप स्टेशन बाढ़ से नष्ट हो गए थे। वैज्ञानिकों ने इन स्थानीय वर्षा पैटर्नों में साल-दर-साल बड़ी मात्रा में परिवर्तनशीलता पाई, इसलिए जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, वैज्ञानिकों ने एक व्यापक क्षेत्र के आंकड़ों को देखा। उन्होंने विश्लेषण किया कि पूर्वी फ्रांस, पश्चिमी जर्मनी, पूर्वी बेल्जियम, नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और उत्तरी स्विट्ज़रलैंड सहित पश्चिमी यूरोप के एक बड़े क्षेत्र में कहीं भी इसी तरह की अत्यधिक वर्षा होने की कितनी संभावना है, और यह कैसे ग्लोबल वार्मिंग से प्रभावित हुआ है। इस बड़े क्षेत्र के लिए, वैज्ञानिकों ने पाया कि मानव-जनित जलवायु परिवर्तन ने एक दिन में गिरने वाली बारिश की मात्रा में 3-19% की वृद्धि की। जलवायु परिवर्तन ने भारी वर्षा की घटनाओं को उन घटनाओं के समान भी बना दिया है जो बाढ़ को 1.2 और 9 के बीच के कारक से होने की अधिक संभावना रखते हैं। वर्तमान जलवायु में, लगभग हर 400 वर्षों में एक बार इसी तरह की घटनाओं से पश्चिमी यूरोप के किसी भी विशेष क्षेत्र के प्रभावित होने की अपेक्षा की जा सकती है, जिसका मतलब है कि इस तरह की कई घटनाएं उस समय-सीमा में व्यापक क्षेत्र में होने की संभावना है। आगे और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और निरंतर तापमान में वृद्धि के साथ ऐसी भारी वर्षा अधिक सामान्य हो जाएगी। अध्ययन वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप (विश्व मौसम एट्रिब्यूशन समूह) के हिस्से के रूप में 39 शोधकर्ताओं द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, अमेरिका और यूके में विश्वविद्यालयों और मौसम विज्ञान और जल विज्ञान एजेंसियों के वैज्ञानिक शामिल थे। इसी क्रम में डॉ सारा क्यू , जलवायु शोधकर्ता, रॉयल डच मौसम विज्ञान संस्थान

(**KNMI**) ने कहा, 'जबकि हम सहकर्मी-समीक्षित एट्रिब्यूशन विधियों का उपयोग करते हैं, यह पहली बार है जब हमने उन्हें गर्मियों में अत्यधिक वर्षा का विश्लेषण करने के लिए लागू किया है जहां कन्वेक्शन (संवहन) एक भूमिका निभाता है, जिसमें कन्वेक्शन अनुमति मॉडल के उपयोग की आवश्यकता होती है। इस तरह के विश्लेषण अधिक और लंबे कन्वेक्शन अनुमति मॉडल सिमुलेशन की उपलब्धता के साथ और आम और नियमित हो जायेंगे।' डॉ फ्रेडरिक ओटो, एसोसिएट निदेशक पर्यावरण परिवर्तन संस्थान, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय। के अनुसार, 'इन बाढ़ों ने हमें दिखाया है कि विकसित देश भी उन चरम मौसम के उन गंभीर प्रभावों से सुरक्षित नहीं हैं जिन्हें हमने देखा है और जो हम जानते है कि जलवायु परिवर्तन के साथ बदतर होते हैं। यह एक गंभीर वैश्विक चुनौती है और हमें इस पर कदम बढ़ाने की जरूरत है। विज्ञान स्पष्ट है और वर्षों से स्पष्ट रहा है।' डॉ सोजूकी फिलिप, जलवायु शोधकर्ता, रॉयल डच मौसम विज्ञान संस्थान (**KNMI**) का कहना है कि, 'हमने पिछले महीने की भयानक बाढ़ पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझने के लिए, और यह स्पष्ट करने के लिए कि हम इस घटना में क्या विश्लेषण कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते हैं, अध्ययन के कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों के ज्ञान को जोड़ा। बहुत स्थानीय स्तर पर, भारी वर्षा पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का विश्लेषण करना मुश्किल है, लेकिन हम यह दिखाने में सक्षम थे कि, पश्चिमी यूरोप में, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन ने इस तरह की घटनाओं को और अधिक संभावित बना दिया है।' वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन (**WWA**) -वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन (**WWA**) एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग है जो चरम मौसम की घटनाओं, जैसे तूफान, अत्यधिक वर्षा, हीटवेव, ठंड के दौर और सूखे पर जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभाव का विश्लेषण और संचार करता है। 400 से अधिक अध्ययनों ने जांच की है कि क्या जलवायु परिवर्तन ने विशेष मौसम की घटनाओं को और अधिक संभावना बनाया। उसी समूह द्वारा किए गए एक अध्ययन ने आज के विश्लेषण में पाया कि जलवायु परिवर्तन ने साइबेरिया में पिछले साल की हीटवेव और 2019/20 ऑस्ट्रेलिया की जंगल की आग लगने की संभावना को बढ़ाया, और यह कि उत्तरी अमेरिका में हालिया हीटवेव जलवायु परिवर्तन के बिना लगभग असंभव होती। यह भी हाल ही में पाया गया कि ठंढ के बाद फ्रांसीसी अंगूर की फसल के नुकसान की संभावना जलवायु परिवर्तन से अधिक हुई थी।

ज्ञान गंगा

भाग्य का महत्व

जग्गी वासुदेव

जो लोग भाग्य में विश्वास रखते हैं, उसके सहारे रहते हैं, वे हमेशा तारों, ग्रहों, स्थानों की तरफ देखते रहते हैं। यहां तक कि वे भाग्यशाली जूतों, भाग्यशाली साबुन, भाग्यशाली नंबर तथा इसी तरह की चीजों को ढूंढते रहते हैं। भाग्य के सहारे आगे बढ़ने की चाह में वे उन चीजों को भी खो देते हैं, जो वे खुद आराम से कर सकते थे। आपके जीवन का कोई भी पहलू हो, उसके लिए जिम्मेदार आप ही हैं। आप की शांति या अशांति, आप की स्वस्थ मानसिकता या आप का पागलपन, आप की खुशी या आप का दुख, आप के अंदर भगवान या शैतान, ये सब आप का काम है। अपनी ऊर्जा का पूरी काबिलियत के साथ इस्तेमाल करने की बजाय, अपने भीतर और बाहर सही वातावरण बनाने की बजाय, दुर्भाग्य से हम हमेशा ऐसी चीजें ढूंढते रहते हैं, जो हमारे लिए ये सब कर दें। आज सुबह से शाम तक आपने कैसा अनुभव किया, यह आप पर निर्भर करता है। अपने आसपास के लोगों के साथ आप का कितना टकराव है, यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों को तथा उनकी सीमाओं और संभावनाओं को समझने में कितने असंवेदनशील रहे। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी संवेदनशीलता, बुद्धिमत्ता और जागरूकता के साथ अपने आसपास के जीवन को देखते हैं, काम करते हैं और रहते हैं। एक दिन दो इंसान हवाई अड्डे पर मिले। उनमें से एक बहुत ही ज्यादा दुखी, परेशान दिख रहा था। दूसरे ने पूछा, 'आप को क्या हुआ है?' पहला बोला, 'क्या-क्या बताऊं? मेरी पहली पत्नी कैंसर से मर गई, दूसरी पड़ोसी के साथ भाग गई, बेटा जेल में है क्योंकि उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की, मेरी 14 साल की बेटी गर्भवती है, मेरे घर पर बिजली गिर पड़ी, शेयर बाजार में आज मेरे सारे शेयर्स के भाव गिर गए। और आज मेरी मेडिकल रिपोर्ट आई है जिससे पता चला है कि मुझे एड्स है।' दूसरा बोला, 'ओह, आप का भाग्य कितना खराब है! वैसे आप काम क्या करते हैं?' पहले ने जवाब दिया, 'मैं लकी चार्म्ज बेचता हूं'! बात यह है कि यदि आप एक खास तरह के हैं तो एक खास तरह की चीजें आप की ओर आकर्षित होंगी। अगर आप किसी दूसरी तरह के हैं तो फिर कुछ और तरह की चीजें आप के लिए होंगी।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

चिंता का सबब बनता नशे का फैलता जाल

– योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है किआज देश का कोई ऐसा महानगर नहीं है, जहां रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप है। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं। ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एकबार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणा है कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यह है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है।

दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है। देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है। हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं। यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

भारती एयरटेल बोर्ड 29 अगस्त को पूंजी जुटाने के विकल्पों पर विचार करेगा

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल का बोर्ड रविवार को इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट सहित पूंजी जुटाने के कई विकल्पों पर विचार करेगा। कंपनी ने बुधवार को एक नियामक फाइलिंग में कहा, कंपनी के निदेशक मंडल की एक बैठक रविवार, 29 अगस्त, 2021 को निर्धारित है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ इक्विटी या इक्विटी लिंक्ड या डेट इंस्ट्रूमेंट्स के माध्यम से विभिन्न पूंजी जुटाने के विकल्पों पर विचार किया जाएगा। कंपनी ने फरवरी में विभिन्न डेट इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए 1.25 अरब डॉलर जुटाए थे। अप्रैल-जून तिमाही के लिए, टेल्को ने 284 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले वित्तवर्ष की इसी तिमाही में 15,933 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान इसने 21.2 प्रतिशत सालाना आधार पर 26,854 करोड़ रुपये का तिमाही राजस्व पोस्ट किया। बुधवार को बीएसई पर भारती एयरटेल के शेयर पिछले बंद से 7.40 रुपये या 1.19 फीसदी की गिरावट के साथ 612.45 करोड़ रुपये पर बंद हुए।

रुपया दो पैसे बढ़कर 74.22 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती के बीच अंतर बैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे बढ़कर 74.22 (अस्थायी) रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि निवेशक, शुक्रवार को, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष, जेरोम पॉवेल के मुख्य भाषण से संकेतों का इंतजार करते नजर आये तथा रुपये में एक सीमित दायरे में घट बढ़ हुई। इसके अलावा विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से निवेशकों की धारणा पर अनुकूल असर हुआ। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 74.22 पर खुला। कारोबार के दौरान 74.11 से 74.27 रुपये के दायरे में घूमने के बाद अंत में पिछले दिन के बंद भाव की तुलना में दो पैसे बढ़कर 74.22 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 4.89 अंक की तेजी के साथ 55,949.10 अंक पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 92.87 हो गया। वैश्विक मानक माने जाने वाला ब्रेंट कच्चा तेल का वायदा भाव 0.60 प्रतिशत घटकर 71.82 डॉलर प्रति बैरल रह गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने बुधवार को 1,071.83 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

सोने में 265 रुपये की गिरावट, चांदी भी 323 रुपये टूटी

नयी दिल्ली, बहुमूल्य धातुओं की अंतरराष्ट्रीय कीमत में गिरावट तथा रुपये के मूल्य में सुधार के बीच बृहस्पतिवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 265 रुपये घटकर 46,149 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,414 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। इसी तरह चांदी की कीमत भी 323 रुपये के नुकसान के साथ 61,653 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 61,976 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,785 डॉलर प्रति औंस पर बोला गया। वहीं चांदी भी मामूली गिरावट के साथ 23.65 डॉलर प्रति औंस रह गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''कॉमेक्स में बृहस्पतिवार को सोने की हाजिर कीमत 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,794 डॉलर प्रति औंस पर थी जिसकी वजह से सोने में मामूली गिरावट रही।'' उन्होंने कहा, ''दिन के कारोबार में डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत मजबूत रहा जिसके कारण भी सोने की कीमत पर दबाव बढ़ गया।''

ड्रोन संबंधी नए नियमों से भारत में इस क्षेत्र के लिए हुई ऐतिहासिक क्षण की शुरूआत : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा है कि ड्रोन संबंधी नए नियमों से भारत में इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण की शुरूआत हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ड्रोन संबंधी नए नियमों से स्टार्ट-अप्स के साथ-साथ इस सेक्टर में काम करने वाले हमारे युवाओं को भी काफी मदद मिलेगी। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में, प्रधानमंत्री ने कहा, ड्रोन संबंधी नए नियमों से भारत में इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण की शुरुआत हो गई है। ये नियम विश्वास और स्व-प्रमाणन की अवधारणा पर आधारित हैं। इसके तहत अनुमोदन एवं अनुपालन से संबंधित आवश्यकताओं और इस क्षेत्र में प्रवेश करने संबंधी बाधाओं को काफी हद तक कम कर दिया गया है। पीएम मोदी ने आगे कहा, ड्रोन संबंधी नए नियमों से स्टार्ट-अप्स के साथ-साथ इस सेक्टर में काम करने वाले हमारे युवाओं को भी काफी मदद मिलेगी। इससे नवाचार और कारोबार के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुल जाएंगे। इससे भारत को एक ड्रोन हब बनाने के लिए नवाचार, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में भारत की विशिष्ट क्षमताओं का व्यापक उपयोग करने में भी काफी मदद मिलेगी। केंद्र ने यूएएस नियमों को उदारीकृत ड्रोन नियम, 2021 से बदल दिया है जो विश्वास, स्व-प्रमाणन और गैर-घुसपैठ निगरानी के आधार पर बनाए गए हैं। मार्च 2021 में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यूएएस नियम, 2021 को प्रकाशित किया था। मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा है, उन्हें शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स, एंड-यूजर्स और अन्य हितधारकों द्वारा प्रकृति में प्रतिबंधात्मक माना जाता था क्योंकि उनमें काफी कागजी कार्रवाई शामिल थी, प्रत्येक ड्रोन उड़ान के लिए आवश्यक अनुमति और बहुत कम फ्री टू फ्लाई ग्रीन जोन उपलब्ध थे। मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस), जिसे आमतौर पर ड्रोन के रूप में जाना जाता है, अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों जैसे कृषि, खनन, बुनियादी ढांचे, निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया, परिवहन, भू-स्थानिक मानचित्रण, रक्षा और कानून प्रवर्तन के लिए जबरदस्त लाभ प्रदान करता है।

आरबीआई ने अजय कुमार को नए कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अजय कुमार को कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया है। गुरुवार को आरबीआई के एक बयान में कहा गया है कि नियुक्ति 20 अगस्त से प्रभावी हो गई है। ईडी के रूप में पदोन्नत होने से पहले, कुमार क्षेत्रीय निदेशक के रूप में बैंक के नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय का नेतृत्व कर रहे थे। आरबीआई के एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने तीन दशकों की अवधि में विदेशी मुद्रा, बैंकिंग पर्यवेक्षण, वित्तीय समावेशन, मुद्रा प्रबंधन और आरबीआई में अन्य क्षेत्रों में काम किया है। कार्यकारी निदेशक के रूप में, कुमार मुद्रा प्रबंधन विभाग, विदेशी मुद्रा विभाग और परिसर विभाग को देखेंगे। कुमार पटना विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में परास्नातक, आईसीएफएआई से बैंकिंग में एमएस और बैंक प्रबंधन और अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद से प्रमाणित बैंक प्रबंधक हैं। उन्होंने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, शिकागो से कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम किया है और सर्टिफाइड एसोसिएट ऑफ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस(सीएआईआईबी) सहित अन्य पेशेवर योग्यताएं रखते हैं।

ऑटो उद्योग में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि देखी जा रही है- आरसी भार्गव

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर.सी. भार्गव ने बुधवार को यहां 61वें सियाम वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च कराधान के साथ-साथ राज्य सरकार की रोड लेवी यात्रा में वाहनों की लागत और बिक्री में गिरावट आई है। भार्गव ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को अब उनकी उच्च लागत के कारण कार खरीदना मुश्किल हो रहा है। भार्गव ने कहा, इस देश के लोगों में वाहनों की बड़ी आकांक्षा है। लेकिन उद्योग पिछले 18 महीनों से तुलनात्मक रूप से धीमी गति से बढ़ रहा है। सरकार और उद्योग को इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए सामूहिक रूप से आवश्यक कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय ग्राहकों को आधुनिक वाहन मिलें। कहा कि अगर हम सभी यूरोपीय मानकों का पालन करते हैं, तो वाहन की लागत बढ़ सकती है। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि वाहनों को जनता के लिए कैसे किफायती बनाया जाए। यदि सामर्थ्य कारक को संबोधित किया जाता है, तो भारतीय ऑटो उद्योग निश्चित रूप से ठीक हो सकता है।

सैमसंग के 205 अरब डॉलर के निवेश का 80 प्रतिशत चिप्स में होगा निवेश

सियोल।

सैमसंग ग्रुप ने कहा है कि उसके मुख्य आधार सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य सहयोगी कंपनियों ने अगले तीन वर्षों में संयुक्त रूप से 240 ट्रिलियन वॉन (205 बिलियन डॉलर) का निवेश करने की योजना बनाई है,ताकि भविष्य के विकास इंजनों को सुरक्षित किया जा सके और पोस्ट में प्रौद्योगिकी नेतृत्व का विस्तार किया जा सके।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग की लेटेस्ट निवेश योजना 2018 में अपने पिछले तीन साल के निवेश प्रतिज्ञा की तुलना में 60 ट्रिलियन जीती है। सैमसंग की घोषणा दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े समूह के वास्तविक प्रमुख ली जे-योंग को पैरोल दिए जाने के 11 दिन बाद हुई है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के वाइस चेयरमैन ली, पूर्व राष्ट्रपति पार्क ग्यून-हे से जुड़े एक रिश्वत मामले की फिर से सुनवाई के बाद जनवरी से जेल की सजा काट रहे थे। सैमसंग ने कहा कि उसके लेटेस्ट निवेश का उपयोग उसके रणनीतिक व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा, जिसमें अर्धचालक, फार्मास्यूटिकल्स, अगली पीढ़ी के संचार नेटवर्क और आईटी अनुसंधान शामिल हैं, हालांकि इसने यह नहीं बताया कि प्रत्येक क्षेत्र पर कितना पैसा खर्च किया जाएगा। इसका क्राउन ज्वेल, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत नोड्स के शुरूआती विकास को लक्षित करेगा और लॉजिक चिप व्यवसाय में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हुए मेमोरी क्षेत्र में अपना प्रभुत्व मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, हम अल्पकालिक बाजार परिवर्तनों के बजाय मध्य से लंबी अवधि की मांग पर ध्यान देने के साथ आर एंड डी और बुनियादी ढांचा निवेश जारी रखेंगे, लॉजिक चिप्स के लिए, हम अपनी मौजूदा निवेश योजना को जल्दी से सक्रिय रूप से निष्पादित करने की योजना बना रहे हैं। टेक दिग्गज ने पहले घोषणा की थी कि वह 2030 तक लॉजिक चिप और फाउंड्री क्षेत्रों में जीते गए 171 ट्रिलियन का निवेश करके नंबर 1 खिलाड़ी बन जाएगा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि सेमीकंडक्टर व्यवसाय में उसके आक्रामक निवेश को अस्तित्व की योजना कहा जा सकता है क्योंकि प्रतिद्वंद्वी महामारी के बीच वैश्विक चिप आपूर्ति श्रृंखला को नियंत्रित करने

के लिए आगे बढ़ते हैं। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को कोविड प्रभाव से उबरने में मदद करने के लिए, सैमसंग अगले तीन वर्षों में 40,000 नौकरियों का सृजन करके अपने कर्मचारियों की संख्या में काफी वृद्धि करेगा। वर्ष की पहली छमाही तक, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में 111,683 कर्मचारी थे।

वैश्विक बाजारों की नरमी से बाजारों में हल्की बढ़त, निफ्टी रिकार्ड ऊंचाई पर

मुंबई,

वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक निपटान का अंतिम दिन होने और वैश्विक बाजारों के नरम रुख के बीच शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान सीमित दायरे में रहा और अंत में यह 4.89 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 55,949.10 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 2.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की हल्की तेजी के साथ नये रिकार्ड स्तर 16,636.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक लाभ वाला शेयर रहा। इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक तथा एचयूएल और नेस्ले इंडिया में भी प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में भारती एयरटेल, मारुति, पावर ग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी और सन फार्मा शामिल हैं। इनमें 4.18 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''घरेलू बाजार की शुरूआत स्थिर रही और एशियाई बाजारों से मिली नकारात्मक खबर से कुछ समय के लिये मामूली गिरावट भी आयी। दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर में वृद्धि की है। वह पहला विकसित देश है, जिसने महामारी के दौरान यह कदम उठाया है।'' उन्होंने कहा कि दोपहर कारोबार में कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आने का प्रयास दिखा। जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर रिकार्ड ऊंचाई पर रहने की रिपोर्ट से धारणा सकारात्मक रही। सोलंकी के अनुसार हालांकि कारोबार समाप्त होने से पहले तेजी में कमी आयी और बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इसका कारण रेटिंग एजेंसी मूडीज की रिपोर्ट है जिसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के कारण बैंकों के लिये खुदरा और एसएमई (लघु एवं मझोले उद्यम) कर्ज खंड में संपत्ति को लेकर जोखिम बढ़ा है। जुलियस बेयर के कार्यकारी निदेशक मिलिंद मुचाला ने कहा, ''पिछले कुछ दिनों से घरेलू बाजार उच्च स्तर पर स्वयं को सुदृढ़ कर रहा है। वैश्विक स्तर पर खासकर अमेरिकी शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से बाजार को समर्थन मिला...।'' उन्होंने कहा, ''विदेशी संस्थागत निवेशकों के शुद्ध बिकवाल होने के बावजूद पिछले कुछ दिनों से बाजार में तेजी बनी हुई है। हालांकि, मुख्य सूचकांकों में कुछ हद तक गिरावट का रुख रहा। खासकर मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों से जुड़े सूचकांकों में यह देखने को मिला। जहां कई शेयरों में हाल की तेजी के बाद 10 से 25 प्रतिशत की गिरावट आयी है।'' खंडवार सूचकांकों में बीएसई एनर्जी, बिजली, तेल एवं गैस, पूंजीगत सामान, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) और औद्योगिक सूचकांकों में 1.14 प्रतिशत तक की तेजी रही जबकि दूरसंचार, धातु और प्रौद्योगिकी सूचकांकों में गिरावट रही। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों से जुड़े सूचकांक 0.31 प्रतिशत तक मजबूत हुए। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और सियोल नुकसान में रहें जबकि तोक्यो में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.85 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाले रुपया 2 पैसे की हल्की बढ़त के साथ 74.22 पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध रूप से बिकवाली बने हुए हैं। उन्होंने बुधवार को 1,071.83 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

सरकार 75 स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना करेगी शुरू

नई दिल्ली।

सरकार जल्द ही टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में 75 स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए एक विशेष प्रोत्साहन योजना शुरू करेगी।

एक विज्ञप्ति में कहा, यह योजना जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा शुरू की जाएगी। जो भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि बीआईआरएसी की अध्यक्ष रेणु स्वरूप के नेतृत्व में सदस्यों को इस आशय के निर्देश दे दिए गए हैं। स्वरूप विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) में सचिव भी हैं। बीआईआरएसी के निदेशक मंडल के साथ बातचीत करते हुए, मंत्री ने कहा कि भारत की आजादी के 75 वें वर्ष में शीर्ष 75 नवाचारों की पहचान करना सबसे उपयुक्त कार्य है, जो ऐसे समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देगा जब दुनिया भर में मानवता है। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए। बीआईआरएसी जैव प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के क्षेत्रों में स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया कार्यक्रमों के तहत नए उद्यमों को बढ़ावा और समर्थन देता रहा है। रिलीज ने कहा, बीआईआरएसी ने 1,500 से अधिक स्टार्टअप, उद्यमों और एसएमई को 2,128 करोड़ रुपये से अधिक का वित्त पोषण समर्थन

दिया है। 2012 में 50 से कम जैव प्रौद्योगिकी स्टार्टअप का समर्थन करने से लेकर 10 करोड़ रुपये से कम के अभिनव वित्त पोषण के साथ, बीआईआरएसी अब ऐसे 5,000 से अधिक स्टार्टअप को वित्त पोषित कर रहा है 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के वित्त पोषण के साथ। 2024 तक, बीआईआरएसी ने 10,000 से अधिक जैव प्रौद्योगिकी स्टार्टअप का समर्थन करने का लक्ष्य रखा है।

सरकार ने बैंक कर्मचारियों की पारिवारिक पेंशन बढ़ाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली।

मृत बैंक कर्मचारियों के परिवारों को राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत कर्मचारी के अंतिम आहरित वेतन का 30 प्रतिशत तक मिलेगा। राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत कर्मचारी पेंशन के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा किए गए योगदान को पहले के 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया गया है। अभी तक इस योजना के तहत पेंशन की सीमा 9,284 रुपये थी।वित्तीय सेवा विभाग के सचिव देबाशीष पांडा ने बुधवार को मुंबई में एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि बैंकों के योगदान को बढ़ाने के बाद बैंक कर्मचारियों की पारिवारिक पेंशन 35,000 रुपये तक जा सकती है। पांडा ने कहा, एनपीएस के तहत पारिवारिक पेंशन और नियोक्ता के योगदान को बढ़ाने के प्रस्ताव को वित्तमंत्री ने मंजूरी दे दी है। इसका लाभ अब पारिवारिक पेंशनभोगियों को मिलेगा। उन्होंने कहा, वेतन पर सीमा हटा दी गई है और 30 प्रतिशत का एक समान स्लैब लागू होगा। पेंशन 35000 रुपये तक जा सकती है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने उन्हें

निर्यात प्रोत्साहन एजेंसियों के साथ-साथ उद्योग और वाणिज्य निकायों के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया, ताकि निर्यातकों की जरूरतें समय पर पूरी की जा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि बदलते समय के साथ, उद्योगों के पास बैंकिंग क्षेत्र के बाहर से भी धन जुटाने का विकल्प है। उन्होंने कहा, बैंक स्वयं विभिन्न माध्यमों से धन जुटा रहे हैं। जहां जरूरत है, वहां ऋण को लक्षित करने के लिए इन नए पहलुओं का अध्ययन करने की जरूरत है।

सरकार का चिप निर्माण पर जोर सही दिशा में एक कदम- सीईओ केनिची

नई दिल्ली।

सियाम के अध्यक्ष और मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और सीईओ केनिची आयुकावा ने गुरुवार को कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर्स के निर्माण पर सरकार का जोर सही दिशा में एक बहुत जरूरी और दीर्घकालिक कदम है। 61वें एसीएमए वार्षिक सत्र में बोलते हुए,आयुकावा ने कहा, भारत में सेमीकंडक्टर्स के निर्माण के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए सरकार द्वारा निमंत्रण सही दिशा में एक बहुत ही आवश्यक, दीर्घकालिक कदम है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि वैश्विक निवेशक भारत में इस अवसर का लाभ उठाएंगे। इस बीच, घटक उद्योग के हमारे भागीदारों को चिप आपूर्तिकर्ताओं के साथ गहराई से जुड़कर सेमीकंडक्टर की कमी की वर्तमान चुनौती से निपटना होगा।इसके अलावा, आयुकावा ने बताया कि सेमीकंडक्टर की कमी न केवल एक चुनौती है, बल्कि एक अवसर भी है। ऑटोमोबाइल के साथ, प्रौद्योगिकी-आधारित उपकरणों की मांग कई गुना बढ़ गई है। बेशक, सेमी-कंडक्टर निर्माण के लिए बहुत बड़े निवेश की आवश्यकता होती है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग अकेले सेमीकंडक्टर परियोजना में इस तरह के निवेश की पूर्ण व्यावहारिकता का आश्वासन नहीं दे सकता है।

इसलिए सभी क्षेत्रों में समेकन की आवश्यकता है। हाल ही में, कई कारकों के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला तेजी से खतरे में पड़ गई है। इसने पिछले साल से ऑटो उद्योग को प्रभावित किया है और यह एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

सब टियर डाउनस्ट्रीम वैल्यू चेन को बढ़ाने के लिए इंफ्रा की जरूरत- एचएमआईएल एमडी

नई दिल्ली।

हुंडई मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एस.एस.किम ने कहा, भारत को सब टियर डाउनस्ट्रीम वैल्यू चेन को बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने की जरूरत है, जो आगे स्थानीयकरण स्तर हासिल करने में मदद करेगा। 61वें एसीएमए वार्षिक सत्र में बोलते हुए किम ने कहा, यह रणनीति भारत में पूरे उद्योग के लिए और हमारे निर्यात कार्यों के लिए क्षमता और स्थिरता का एक बड़ा स्तर सुनिश्चित करेगी। एक मजबूत सब-वेंडर इकोसिस्टम बनाने के लिए भारत को एक सच्चा विनिर्माण केंद्र बनाने में सरकारी हस्तक्षेप और समर्थन के लिए एक लंबा रास्ता तय करेगा। स्थानीयकरण की आवश्यकता आज के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत और मोटर वाहन उद्योग के लिए सतत विकास के युग की शुरूआत करेगा।

किम के अनुसार, भविष्य के लिए, घटक निर्माताओं और ओईएम को कार्यस्थल सुरक्षा, सामंजस्यपूर्ण कर्मचारी संबंध और सरकारी सहयोग पर गहन ध्यान देने के साथ तकनीकी प्रगति में निवेश करना जारी रखना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने उद्धृत किया कि भारत में कार की पैठ बढ़ाने और मोटरीकरण की संभावना प्रभावी रूप से अधिक है। जैसा कि भारत में शहरीकरण बढ़ रहा है, व्यक्तिगत गतिशीलता में उच्च विकास क्षमता और व्यावसायिक अवसर हैं। हालांकि हम भविष्य के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए संचालन को तेज करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों के प्रति अधिक जिम्मेदार होने की समान और तत्काल आवश्यकता है। किम ने बताया कि हुंडई सस्ती शून्य उत्सर्जन वाहन विकसित करने पर बहुत ध्यान केंद्रित कर रही है।

एक वैकल्पिक ऊर्जा वाहन निर्माता के रूप में हमारा संक्रमण एक लचीला मूल्य श्रृंखला के निर्माण की सुविधा के लिए क्रमिक लेकिन त्वरित होगा और उद्योग को पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के लिए आदर्श मात्रा प्राप्त करने में मदद करेगा। हम हाइड्रोजन ईंधन सेल जैसी बड़े तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, साथ ही पावरट्रेन के अपने मौजूदा पोर्टफोलियो में सुधार करेंगे जिसमें बीएस 6 अनुपालन पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन शामिल हैं जो बेहतर ईंधन दक्षता और कम उत्सर्जन स्तर प्रदान करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंकिफील्ड कप शतरंज - जेफ्री को हराकर मैक्सिम लाग्रेव नें बनाई बढ़त

सेंट लुईस, यूएसए (निकलेश जैन) ग्रांड चैस टूर 2021 के आखिरी और निर्णायक टूर्नामेंट सिंकिफील्ड कप शतरंज का सातवा राउंड 3 जीत और 2 ड्रॉ के परिणाम के साथ समाप्त हुआ । सबसे आगे चल रहे यूएसए के वेसली सो नें हमवतन सैम शंकलंद से ड्रॉ खेला और इसका फायदा मिला सयुंक्त बढ़त पर चल रहे मैक्सिम लाग्रेव को , उन्होने यूएसए के जेफ्री जियांग को मात देते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली । मैक्सिम नें इस मैच में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए शानदार खेल दिखाया और अपनी राय लोपेज ओपनिंग की तैयारी से जेफ्री को 26 चालों में हार का स्वाद चखा दिया । अन्य परिणामों मे रूस के पीटर स्वीडलर नें यूएसए के स्वीरेज डी को तो यूएसए के फबियानों करूआना नें अजरबैजान के ममेद्यारोव को पराजित किया जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और यूएसए के लेनियर दोमिंगेज के बीच बाजी ड्रॉ पर खत्म हुई । 7 राउंड के बाद मैक्सिम 5 अंक बनाकर पहले स्थान पर है जबकि करूआना , वेसली सो और लेनियर 4.5 अंको पर खेल रहे है।

आईपीएल में इन टीमों ने किए बड़े बदलाव

कोलकाता (एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 19 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी बचे सत्र के लिए न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी के साथ करार किया है। साउथी को आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस के विकल्प के तौर पर टीम से जोड़ा गया है जो निजी कारणों से आईपीएल से हट गए हैं। दो बार के पूर्व चैंपियन केकेआर ने गुरुवार को घोषणा की करते हुए कहा कि कमिंस ने निजी कारणों से खुद को सत्र के लिए अनुपलब्ध रखा है। न्यूजीलैंड के लिए 305 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 603 विकेट चटकाने वाले साउथी को टीम से जोड़ा गया है। आईपीएल 2020 सत्र के लिए कमिंस को 15 करोड़ 50 लाख रुपये में खरीदा गया था और वह टीम के अहम सदस्य थे। वह टीम के सातों मैचों में खेले और नौ विकेट चटकाने के अलावा 93 रन बनाए। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 83 मैचों में 99 विकेट केसाथ तीसरे सबसे सफल गेंदबाज साउथी इससे पहले आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपरकिंग्स, मुंबई इंडियन्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का हिस्सा रह चुके हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी), राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स ने भी लीग के 14वें सत्र के बाकी मैचों के लिए अपनी टीमों में वैकल्पिक खिलाड़ियों को शामिल करने की घोषणा की। आरसीबी ने आस्ट्रेलिया के एडम जंपा की जगह श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा को टीम में शामिल किया है। भारत के खिलाफ हाल में श्रीलंका में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान हसारंगा ने सात विकेट चटकाए थे। आरसीबी ने डेनियल सेम्स की जगह दुष्मंता चमीरा, केन रिचर्डसन की जगह बायें हाथ के तेज गेंदबाज जॉर्ज गार्टन और न्यूजीलैंड के फिन एलेन की जगह टिम डेविड को टीम में शामिल किया है। रॉयल्स ने इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर की जगह न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को टीम में जगह दी है। फिलिप्स ने 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 506 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक जड़े हैं और उनका स्ट्राइक रेट 149.70 का है। रॉयल्स की टीम में एंड्रयू टाई की जगह दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी लेंगे। पंजाब किंग्स ने आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस को रिली मेरेडिथ की जगह टीम में शामिल किया है। इसके अलावा झाय रिचर्डसन की जगह इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिम को भी टीम में जगह मिली है।

पैरालंपिक : भाविनाबेन टेबल टेनिस के नॉकआउट दौर में पहुंची

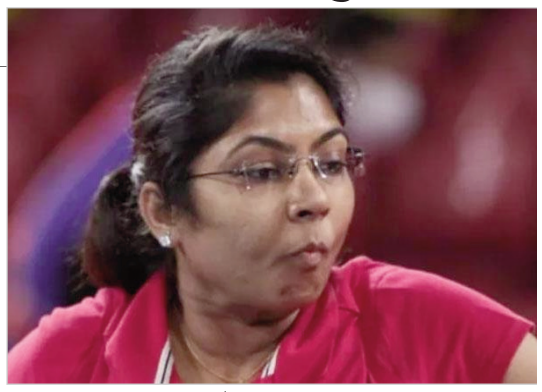

टोक्यो (एजेंसी)।

भारतीय खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल गुरुवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन की मेगान शैकलटन पर 3-1 की जीत से तोक्यो पैरालंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महिला एकल क्लास 4 के नॉकआउट दौर में पहुंच गई। भारत की 34 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व में नौवें नंबर की शैकलटन को 41 मिनट तक चले मैच में 11-7, 9-11, 17-15, 13-11 से हराया। विश्व में 12वें नंबर की भारतीय के लिये यह करो या मरो वाला मैच था। उन्होंने पहला गेम केवल आठ मिनट में जीता लेकिन शैकलटन ने दूसरा गेम जीतकर अच्छी वापसी की। इसके बाद अगले दो गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी जी जान लगा दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने महत्वपूर्ण मौकों पर अंक बनाये और जीत हासिल करने में सफल रही। भाविनाबेन ने मैच के बाद कहा, 'मैं आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं। मैंने आज धैर्य बनाये रखने की और गेंद पर ध्यान लगाये रखने की कोशिश की। मैंने किसी नकारात्मक विचार से अपना ध्यान भंग नहीं होने दिया।' उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि मैं इस कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करने में सफल रही। मैंने एक-एक अंक के लिये संघर्ष किया। मैंने हार नहीं मानी।' भाविनाबेन की यह टूर्नामेंट में पहली जीत है क्योंकि वह पहले मैच में विश्व की नंबर एक चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग से 0-3 से हार गयी। भाविनाबेन के दो मैचों में तीन अंक रहे और वह यिंग के साथ नॉकआउट चरण में पहुंचने में सफल रही।

पैरालम्पिक : भावना महिला टेबल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

टोक्यो। भारत की भावनाबेन पटेल यहां चल रहे पैरालम्पिक में महिला टेबल टेनिस क्लास-4 इवेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। भावना ने गुरूवार को ग्रुप ए के प्रारंभिक मुकाबले में ग्रेट ब्रिटेन की मेगन शाकेलेटोन को 41 मिनट तक चले मुकाबले में 11-7, 9-11, 17-15, 13-11 से हराया। भावना जिन्हें बुधवार को ओपनिंग मैच में उच्च रैंकिंग की चीन की झोउ यिंग के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था, उन्होंने मेगन के खिलाफ मजबूती से वापसी की। भावना ने पहला गेम आसानी से जीता लेकिन उन्हें दूसरे गेम में मेगन ने पछाड़ा। हालांकि, भावना ने अगले दो गेम अपने नाम कर जीत हासिल की। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर मौजूद भावना ने ब्रिटिश खिलाड़ी को हराने के साथ ही मेडल राउंड में जाने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा है।

यूएस ओपन में दर्शकों को नहीं पहनना पड़ेगा मास्क, स्टेडियम भरे रहने की उम्मीद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

दर्शकों के लिए अगले सप्ताह से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मैचों के दौरान मास्क पहनना या टीकाकरण का सबूत पेश करना अनिवार्य नहीं होगा। कोरोना वायरस के कारण एक साल पहले यूएस ओपन का आयोजन दर्शकों के बिना किया गया था लेकिन इस बार स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है। अमरीकी टेनिस संघ के उपाध्यक्ष और चिकित्सा सलाहकार समूह के सदस्य डा. ब्रायन हेनलाइन ने कहा, 'हमारा लक्ष्य कोविड के सभी मामलों को रोकना नहीं है। अभी कोविड का प्रकोप नहीं है जिससे हमें किसी तरह का पछतावा हो।% उन्होंने कहा, 'हम अब भी लोगों की भलाई के बारे में सोच रहे हैं। जिन लोगों का टीकाकरण नहीं हुआ है उन्हें वास्तव में मास्क पहनना चाहिए हालांकि हम उन्हें इसके लिये मजबूर नहीं करेंगे। मुझे लगता है कि जिनका टीकाकरण हो गया है उनमें से भी कुछ मास्क पहनेंगे।' वर्ष का अंतिम ग्रैंडस्लैम सोमवार से न्यूयॉर्क में शुरू होगा। अमेरिका में कोविड-19 के नये मामले लगभग 150,000 प्रतिदिन पर पहुंच गये हैं जो जनवरी के बाद से सर्वाधिक हैं। इनमें डेल्टा प्रकार से जुड़े मामले अधिक हैं।

संक्षिप्त समाचार

वीनस विलियम्स और केनिन यूएस ओपन से हटीं

न्यूयॉर्क। दो बार की चैंपियन वीनस विलियम्स और सोफिया केनिन ने 30 अगस्त से शुरू हो रहे यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वीनस ने जहां चोट के कारण नाम वापस लिया है तो वहीं केनिन कोरोना पॉजिटिव होने के कारण साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इससे पहले, सेरेना विलियम्स ने भी इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया था। इसके कुछ देर बाद ही उनकी बहन ने इस ग्रैंड स्लैम से नाम वापस लिया। वीनस ने ट्वीट कर लिखा, मैं बहुत निराश हूं। मुझे कुछ समय से पैर में दिक्कत हो रही है और मैं अच्छे से काम नहीं कर पा रही हूं। इस बीच, केनिन ने भी ट्वीट करते हुए कहा कि वह कोरोना पॉजिटिव होने की वजह से यूएस ओपन में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। केनिन ने ट्वीट कर कहा, भाग्यशाली रही कि मैंने वैक्सीन ली जिसके कारण मुझमें हल्के लक्षण हैं। हालांकि, मैं अभी भी इससे संक्रमित हूं और अगले सप्ताह होने वाले यूएस ओपन में भाग नहीं ले पाऊंगी।

केकेआर ने आईपीएल 2021 के शेष सीजन के लिए साउदी के साथ करार किया

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2021 के शेष मुकाबलों के लिए टिम साउदी के साथ करार किया है। फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, साउदी को पैट कमिंस की जगह आईपीएल के दूसरे चरण में लाया गया है जो इस सीजन में निजी कारणों के चलते हटे हैं। साउदी छह वर्षो तक आईपीएल में शामिल रहे थे लेकिन 2020 की नीलामी में उन्हें किसी टीम ने नहीं खरीदा था। 2019 के सीजन में वह रॉयल चेलेंजर बेंगलोर के लिए खेले थे। आईपीएल में साउदी चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के लिए भी खेल चुके हैं। आईपीएल के 40 मुकाबलों में उन्होंने 8.47 के इकोनॉमी रेट से 28 विकेट लिए हैं। केकेआर के अधिकारी ने कहा, साउदी मजबूत खिलाड़ी हैं और न्यूजीलैंड की टीम में नियमित रूप से शामिल रहे हैं। यूएई के वातावरण में हमें उम्मीद है कि वह प्रभावी होंगे। साउदी न्यूजीलैंड के तीसरे खिलाड़ी हैं जो केकेआर के साथ जुड़ा है।

आईसीसी ने एशिया, अमेरिका के लिए अंडर-19 क्वालीफायर्स रद्द किया

दुबई (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की है कि अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए अमेरिका, एशिया और ईएपी क्वालीफायर्स को कोविड-19 के कारण रद्द कर दिया गया है। आईसीसी और आईसीसी डेवल्पमेंट बोर्ड के दिशानिर्देशों के आधार पर, इन तीनों इवेंट को रद्द कर दिया गया है।

आईसीसी ने बुधवार को एक रिलीज में कहा, इन इवेंट्स के रद्द होने के बाद कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात और पापुआ न्यू गुएना अब अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2022 में आगे बढ़ेंगे क्योंकि इन टीमों ने अंतिम पांच क्वालीफाइंग राउंडस में सबसे अधिक जीत हासिल की है। आईसीसी इवेंट्स के प्रमुख, क्रिस टेटली ने कहा, यह अविश्वसनीय रूप से निराशाजनक है कि आईसीसी अंडर -19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के तीन क्षेत्रीय क्वालीफायर को कोविड-19 के कारण रद्द कर दिया गया है। सदस्य द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत, टीमों ने महामारी के चलते अपना नाम वापस ले लिया है। हमारे पास इवेंट्स को रद्द करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। उन्होंने कहा, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर खेल के मैदान पर परिणाम निर्धारित करने का प्रयास किया। हालांकि, इन आयोजनों के लिए यह संभव नहीं था। इसके अलावा, आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप अफ्रीका को नाइजीरिया के बजाए रवांडा में कराने का फैसला लिया गया है। अब यह टूर्नामेंट कोविड -19 प्रतिबंधों के कारण 30 सितंबर से सात अक्टूबर तक खेला जाएगा।

रवि को विश्व चैंपियनशिप में भाग के लिए बाध्य नहीं करेंगे : डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने कहा है कि वे टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया को आने वाले विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं करेंगे। इससे पहले, ऐसा माना जा रहा था कि रवि इस चैंपियनशिप से बाहर रह सकते हैं क्योंकि उन्हें चयन ट्रायल्स की तैयारियों के लिए वक्त नहीं मिला था। डब्ल्यूएफआई आने वाले मंगलवार को ट्रॉयल्स लेगा। विश्व चैंपियनशिप का आयोजन दो से 10 अक्टूबर तक नॉर्वे में होना है। आईएएनएस से बात करते हुए डब्ल्यूएफआई के अधिकारी ने कहा कि यह रवि के ऊपर है कि वह वहां जाना चाहते हैं या नहीं। पहचान नहीं बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, हम समझ सकते हैं कि वह शायद टोक्यो ओलंपिक के बाद थक गए होंगे क्योंकि कई सम्मान समारोह के कारण उन्हें रिलेक्स करने का समय नहीं मिला। वह एक अच्छे व्यक्ति हैं और उन्हें नहीं पता कि किसी को मना कैसे करें। यह पूछे जाने पर कि क्या टोक्यो ओलंपिक के पदक विजेता के ट्रायल्स लेना जरूरी है। इस पर अधिकारी ने कहा, मेरे ख्याल से स्टार पहलवानों से ट्रायल्स देने के लिए कहने में कोई बुराई नहीं है। रवि को भी ट्रायल्स देने में कोई परेशानी नहीं है। वह बस थक गए हैं और तैयार नहीं है।

बेंगलोर ने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए चार क्रिकेटरों को रिप्लेस किया

नई दिल्ली। रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुरूवार को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए रिप्लेसमेंट की घोषणा की।आईपीएल की मीडिया रिलीज के अनुसार, बेंगलोर ने ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा की जगह श्रीलंका के वनिंदु हसारंगा को लिया है। इसके अलावा उन्होंने डेनिएल सैम्स की जगह दुश्मंता चमीरा, केन रिचर्डसन के बजाए जॉर्ज गारटोन और फिन एलेन की बदले टिम डेविड को लिया है। इस बीच, राजस्थान रॉयल्स ने इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर के बदले न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को लिया है। एंड्र्यू टाई की जगह दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी रॉयल्स की टीम में जुड़ेंगे। पंजाब किंग्स ने रिले मेरेदिथ की जगह ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस को लिया है। इसके अलावा उन्होंने झाई रिचर्डसन के बदले लेग स्पिनर आदिल राशिद को लिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस के बदले न्यूजीलैंड के टिम साउदी को शामिल किया है।

कोहली और मध्यक्रम को स्कोर करने की जरूरत : मदन लाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व क्रिकेटर मदन लाल भारत के इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में प्रदर्शन से खुश नहीं है और उनका मानना है कि कप्तान विराट कोहली और मध्यक्रम को अपनी फॉर्म वापस पाने का रास्ता खोजना चाहिए।लॉर्ड्स में मिली जीत के बाद भारतीय टीम तीसरे टेस्ट की पहली पारी में पूरी तरह नाकाम साबित हुई और उसकी पारी 78 रन पर ढेर हो गई। मदन लाल ने कहा कि कोहली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लेकर चांस लिया। लेकिन कप्तान को इंग्लिश वातावरण में जल्द ही रन बनाने की जरूरत है।पूर्व ऑलराउंडर ने आईएएनएस से कहा, अगर आप लीड्स के वातावरण को देखें तो इतिहास बताता है कि यह सुबह के सीजन में जल्द ही विकेट गिरते हैं। कोहली ने शायद चांस लिया क्योंकि इंग्लैंड ने पिछले मैच में ज्यादा रन नहीं बनाए थे और आप यह नहीं कह सकते कि टॉस के कारण आप हार जाएंगे। आपका मध्य क्रम रन बना रहा है क्योंकि मुख्य बल्लेबाज कोहली रन नहीं बना पा रहे हैं और हम उनसे रन बनाने की उम्मीद करते हैं। मदन लाल का मानना है कि टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनना सही फैसला रहता क्योंकि माहौल तेज गेंदबाजों के पक्ष में था और इंग्लिश गेंदबाजों ने इसका फायदा उठाया। मदन लाल ने कहा, मेरे ख्याल से इंग्लैंड ने काफी अच्छे से गेंदबाजी की। मैच में अभी भी चार दिन बचे हैं। लीड्स में आमतौर पर कप्तान टॉस जीतकर गेंदबाजी लेते हैं क्योंकि ऐसे पिचों पर शुरूआत में गेंद काफी स्विंग करती है। उन्होंने कहा, आप कह सकते हैं कि भले ही शायद भारत वातावरण समझने में भूल कर गया लेकिन अभी भी चार दिन बाकी है और अंत में मध्य क्रम को जिम्मेदारी लेनी होगी और अगर आपको सीरीज जीतनी है तो इन्हें स्कोर करना होगा।

हमें अपनी गलतीयों से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा: पंत

लीड्स। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने स्वीकार किया है कि हम पिच को और अच्छी तरह इस्तेमाल कर सकते थे क्योंकि पिच शुरूआत में गेंदबाजों के लिए मददगार थी। भारत की पहली पारी तीसरे टेस्ट के पहले ही दिन 78 रनों पर सिमट गई जबकि इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने के तक बिना किसी नुकसान के 120 रन बना लिए हैं। पंत ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से बात करते हुए कहा, यह खेल ऐसा ही चलता है, एक बल्लेबाजी यूनिट के रुप में हमें अपना 100 प्रतिशत देना होता है। कभी-कभी खेल हमारे अनुसार नहीं चलता। पंत ने आगे कहा, सुबह में विकेट मददगार था और इंग्लैंड के गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की। बतौर बल्लेबाज हमें थोड़ा सजग रह कर खेलना चाहिए था, अब यहां से हमें अपनी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा। 23 वर्षीय पंत ने कहा कि खेल के दूसरे सत्र में पिच और वहां का वातावरण बल्लेबाजी के अनुकूल हो गया था। बाकी बल्लेबाजों की तरह पंत का भी बल्ला भी खामोश रहा और वह मात्र दो रन बना सके। पंत ने कहा, जब ऊपरी क्रम के बल्लेबाज आउट हो जाते हैं तो मेरे पास एक अवसर होता है कि मैं टीम के लिए रन बनाऊं और उस स्थिति में टीम को मुश्किल घड़ी से निकालूं।

गर्भाशय कैंसर

जरूरी हैं इससे जुड़ी बातों को जानना

70 में से 1 महिला को गर्भाशय का कैंसर होता है, यह गायनेकोलॉजी से संबंधित सबसे खतरनाक कैंसर में से एक है क्योंकि अब तक गर्भाशय कैंसर की जांच के लिए कोई भी भरोसेमंद गायग्नोस्टिक स्क्रीनिंग उपलब्ध नहीं है। ऐसे में, एडवांस स्टेज तक पहुंचने तक या तो इसकी पहचान नहीं हो पाती है अथवा रिपोर्ट गलत आती है। 75 प्रतिशत से भी अधिक मामलों में इसका पता एडवांस स्टेज में पहुंचने के बाद चलता है। सिर्फ 19 प्रतिशत मामलों का ही शुरुआत में पता लग पाता है। जिन महिलाओं की समस्या का एडवांस स्टेज में पहुंचने के बाद पता लगता है, उनमें से अधिकतर 5 साल तक भी जीवित नहीं रह पाती हैं। गर्भाशय कैंसर कोई भेदभाव नहीं करता है। यह किसी भी उम्र और किसी भी समुदाय की महिला को हो सकता है। यहां तक कि 1 साल की बच्ची को भी गर्भाशय कैंसर का पता चल चुका है। गर्भाशय कैंसर को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी इससे बचाव के आगे सबसे बड़ा रोड़ा है।

रिस्क फैक्टर्स

आनुवांशिक कारण

- गर्भाशय कैंसर के हर पांच में से एक मामले में पारिवारिक इतिहास जिम्मेदार होता है और जीन में बदलावों के साथ अगली पीढ़ी में खतरा और बढ़ जाता है। इसमें बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन में बदलाव शामिल है, जो स्तन और गर्भाशय कैंसर से संबंधित है।
- ब्रेस्ट कैंसर, गर्भाशय कैंसर या कोलन कैंसर का व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक इतिहास है।
- उन महिलाओं को गर्भाशय कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है जिनके किसी करीबी रिश्तेदार में गर्भाशय, स्तन या कोलन कैंसर का इतिहास रहा हो। कैंसर के पारिवारिक इतिहास वाली महिलाओं को शुरू से ही अपने डॉक्टर से बात करके यह जानकारी लेनी चाहिए कि उनके लिए कौन-सी स्क्रीनिंग आदि कराना फायदेमंद रहेगा।
- उम्र बढ़ना
- अनचाही इनफर्टिलिटी
- कभी भी अपने परिवार की महिला सदस्यों, दोस्तों और सहकर्मियों और खासतौर से अपने फैमिली फिजिशियन से गर्भाशय कैंसर से जुड़े संभावित जीवन रक्षक उपायों के बारे में र्चचा करने से बिल्कु ल न हिचकें। जितना ज्यादा हमें जानकारी होगी, शुरुआत में बीमारी का पता लग पाने की उम्मीद उतनी ही अधिक होगी। इससे गर्भाशय कैंसर के खिलाफ जंग हारने का खतरा भी काफी कम हो जाएगा।

लक्षण

- हालांकि गर्भाशय कैं सर के लक्षण गंभीर या गहरे नहीं होते हैं, खासतौर से शुरुआती दिनों में, लेकिन ये पूरी तरह साइलेंट भी नहीं होते हैं। जब इसे एक साइलेंट बीमारी के तौर पर ध्यान देते हैं तो पता चलता है कि गर्भाशय कैंसर से पीड़ित 95 फीसद महिलाओं को अस्पष्ट लेकिन स्थायी लक्षण होते हैं। ओवेरियन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में निम्नलिखित लक्षण दिखाई दे सकते हैं :
- सूजन
- पेड़ू या पेट में दर्द
- खाने में परेशानी महसूस होना और जल्दी पेट भरा हुआ महसूस होना
- बार-बार पेशाब आना
- गर्भाशय कैंसर के अन्य लक्षणों में बहुत ज्यादा थकान, अपच, छाती में जलन, पेट खराब होना, कमर के निचले हिस्से में दर्द और पैरों में दर्द जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। आंतों की आदत में बदलाव जैसे कि कब्ज या डायरिया होना, वजन कम होना, माहवारी अनियमित होना और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण भी इसमें दिखाई दे सकते हैं।
- अगर आपको इनमें से कुछ लक्षण दिखाई दें और ये 2 हफ्तों तक बरकरार रहें तो अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

गर्भाशय कैंसर स्क्रीनिंग टेस्ट

- अगर महिला में कोई भी लक्षण दिखाई न दें तो गर्भाशय कैंसर की जांच के लिए कोई भी विश्वसनीय तरीका उपलब्ध नहीं है। हालांकि नियमित गायनेको लॉजी टेस्ट के दौरान गर्भाशय कैंसर का पता लगाने के दो तरीके हैं- पहला है ब्लड टेस्ट जिसमें प्रोटीन, जिसे सीए-125 कहते हैं, का बढ़ा हुआ लेवल जांचते हैं। दूसरा तरीका है गर्भाशय का अल्ट्रासाउंड टेस्ट।

गर्भाशय कैंसर की सर्जरी

- अगर बीमारी का शक होता है तो गायनेको लॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा सर्जरी कराया जाना चाहिए, जिन्हें महिलाओं के प्रजनन सिस्टम संबंधी कैंसर के इलाज का प्रशिक्षण मिला हो। इस सर्जरी का उद्देश्य होता है, जहां तक हो सके, कैंसर वाले हिस्से को हटा देना।

साइलेंट किलर से लेकर एक स्पिरिंग बीमारी

- गर्भाशय कैंसर पूरी तरह साइलेट बीमारी नहीं है लेकिन इसके लक्षणों को पहचानने के लिए महिलाओं को अपने शरीर की स्पिरिंग आवाज को सुनना और इसके लक्षणों को पहचानना पड़ता है। आपको कोई गायनेकोलॉजिकल कैसर है, तो अगर अपना इलाज एक गायनेकोलॉजिकल कैसर विशेषज्ञ से कराएंगी तो आपके सकुशल का उम्मीद ज्यादा रहेगी।

- हम चाहते है कि महिलाएं गायनेकोलॉजिकल कैसर के खतरे को कम से कम करने के लिए कुछ चरणों के बारे में अवशय जानकारी रखें। विशेषज्ञों की बेहतरीन टीम के साथ हम यहां उनकी सहायता के लिए मौजूद रहते हैं।

डॉ. रीनू जैन
कंसल्टेंट, डिपार्टमेंट ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, जेपी हॉस्पिटल, नोएडा

कई रोगों की एक दवा हैं कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है। यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है। मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

आकर्षक व्यक्तित्व का आईना आपके दांत

गलत खान-पान की आदतों के कारण हमें कई रोगों का सामना करना पड़ रहा है। जहां हृदय रोगियों व मधुमेह रोगियों आदि की संख्या बढ़ रही है वहीं दांतों और मसूढ़ों संबंधी रोगों में भी बढ़ौतरी आई है। पायरिया, दांत में कीड़ा लगना, बैक्टीरियल प्लाक आदि इनमें मुख्य हैं।

- मोतियों के समान दांत और स्वस्थ मसूढ़े आपके व्यक्तित्व को आकर्षक भी बनाते हैं इसलिए स्वास्थ्य व सौंदर्य दोनों दृष्टि से दांतों की देखभाल करना बेहद जरूरी है। आइए जानें कि दांतों की देखभाल कैसे की जाए ताकि उनसे संबंधित बीमारियों से सुरक्षा पाई जा सके।
- सुबह व शाम नियमित अच्छे टूथब्रश और टूथपेस्ट से दांत साफ करें। ब्रश की सहायता से दांतों की बाहरी, भीतरी दोनों सतहों को साफ करें। मसूढ़ों पर ब्रश न करें। इससे मसूढ़ों को नुक्सान पहुंच सकता है।
- हमेशा साफ्ट ब्रिसल वाला ब्रश ही खरीदें और ब्रश पुराना या ब्रश के दांतों के टेढ़े-मेढ़े होने पर ब्रश बदल लें।
- दांतों पर ब्रश जोर से न मारें बल्कि धीरे-धीरे दांतों पर ब्रश को चलाएं। अधिक जोर से रगडने़ पर दांत ज्यादा अच्छी तरह साफ होते हैं, ऐसा सोचना गलत है। ब्रश का कार्य दांतों से प्लाक की सफाई करना होता है जो सही तरीके से ब्रश करने पर ही हो सकता है।
- जब भी आप कुछ खाएं, उसके बाद कुल्ला अवश्य करें। मीठे भोज्य पदार्थ खाने के पश्चात तो ब्रश अवश्य करें। मीठे भोज्य पदार्थ अम्ल बनाते हैं जो कीटाणुओं को जन्म देते हैं।
- दांतों या मसूढ़ों पर कोई भी संक्रमण पाएं तो तुरन्त दंत चिकित्सक से सम्पर्क करें।
- धूम्रपान करने से भी दांतों पर निकोटिन के कारण धब्बे पड़ जाते हैं जिससे दांत अनाकर्षक लगते हैं। पान, गुटखा आदि भी दांतों को नुक्सान पहुंचाते हैं।
- दांतों की कसरत के लिए सबसे जरूरी है खाने को अच्छी तरह चबा-चबा कर खाना। इससे आपकी आंतों को भी कम मेहनत करनी पड़ेगी।
- दांतों के स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन आदि से युक्त भोजन का सेवन करें।
- मसूढ़ों से अगर खून आता है तो इसका अर्थ संक्रमण की शुरूआत है। डैंटिस्ट से सम्पर्क करें व उसके द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।

उच्च रक्तचाप की समस्या है तो जांच लें अपना बीएमआई

लंदन। अगर आप उच्च रक्तचाप की समस्या से जूझ रहे हैं, तो सर्वप्रथम अपना बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) जांच लें। एक नए शोध के अनुसार, सोडियम की मात्रा की बजाय बीएमआई स्वास्थ्य को अधिक प्रभावित करता है। शोधकर्ताओं ने वेब आधारित अध्ययन दस्ते न्यूट्रीनेट-सैन्ट स्टडी के 8,670 वालंटियरों के डाटा का विश्लेषण कर पाया कि बीएमआई, रक्तचाप का स्तर बढने़ की मुख्य वजह है। शोध के दौरान, 24 घंटे के रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर आहारीय खपत का मूल्यांकन किया गया। जीवनशैली संबंधी जानकारी प्रश्नावली और तीन रक्तचाप माप का इस्तेमाल कर जुटाई गई थी। सिस्टोलिक बीपी (एसबीपी) और जीवनशैली से आयु और उसके बाद बहु-वेरीइट का संबंध बहु-रेखीय प्रतिगमन का इस्तेमाल कर आंका गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन्नत बॉडी मास इंडेक्सिस वाले प्रतिभागियों में एसबीपी उच्च था। पुरुषों में नमक की खपत का एसबीपी से सकारात्मक संबंध था, लेकिन महिलाओं में नहीं। शोध के लेखकों ने कहा, ''दोनों लिंगों में फलों व सब्जियों की खपत के बीच नकारात्मक संबंध और एसबीपी महत्वपूर्ण था।'' दोनों लिंगों में शराब की खपत का एसबीपी से सकारात्मक संबंध था, जबकि शारीरिक गतिविधि का नहीं था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

शुक्रवार रात के बाद से काबुल हवाई अड्डे से लोगों को नहीं निकाल पाएगा फ्रांस!

पेरिस। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री ज्यां कास्ते ने कहा है कि उनका देश शुक्रवार रात के बाद से काबुल हवाई अड्डे से लोगों को निकाल नहीं पाएगा। कास्ते ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा ऐसे वक्त में की है जब अमेरिका और पश्चिमी राष्ट्रों के सामने अफगानिस्तान से लोगों को निकालने की 31 अगस्त की समयसीमा है। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद हजारों लोग मुल्क छोड़ने की कोशिश में हैं और काबुल हवाई अड्डे के जरिए वे देश से निकलना चाह रहे हैं। कास्ते ने फ्रांसीसी रेडियो 'आरटीएल' से कहा कि 31 अगस्त तक अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की वजह से ''हम कल शाम के बाद से काबुल हवाई अड्डे से लोगों को निकाल नहीं पाएंगे।' पिछले हफ्ते अभियान शुरू होने के बाद से फ्रांस ने अफगानिस्तान के दो हजार नागरिकों एवं सैकड़ों फ्रांसीसी लोगों को युद्धग्रस्त देश से निकाला है।

अफगानिस्तान में अब भी करीब 1,500 अमेरिकी नागरिक मौजूद

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि प्रशासन का मानना है कि 12 दिनों तक सैन्य विमानों से अमेरिकियों को निकालने के अभियान के बावजूद अब भी करीब 1,500 अमेरिकी अफगानिस्तान में बचे हैं। ब्लिंकन ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 14 अगस्त को तालिबान के काबुल पहुंचने के बाद से दिन-रात चल रहे अभियान में अब तक 4,500 अमेरिकियों को वहां से निकाला गया है। उल्लेखनीय है कि अगले मंगलवार तक अमेरिका द्वारा निकासी अभियान पूरा करने की योजना के बीच ब्लिंकन का अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकियों की संख्या को लेकर बयान आया है। ब्लिंकन ने बताया कि अमेरिकी अधिकारी करीब 500 अमेरिकियों के संपर्क में हैं और उन्हें अफगानिस्तान से सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रहे हैं।ब्लिंकन ने कहा कि अन्य 1,000 तक भी पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

यात्रा कार्यक्रम के विस्तार के बाद थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक में बढ़ोतरी

बैंकॉक। देश में 16 अगस्त से एक नए कार्यक्रम के प्रभावी होने के बाद से 3,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने थाईलैंड में फुकेत से परे अन्य निर्दिष्ट पर्यटन क्षेत्रों का दौरा किया है। देश के आर्थिक स्थिति प्रशासन केंद्र ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, फुकेत सैंडबॉक्स 7 प्लस 7 एक्सटेंशन कार्यक्रम तरह से टीका लगाए गए अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए रिसॉर्ट द्वीप में अनिवार्य प्रवास को 14 दिनों से घटाकर सात दिनों तक कम करता है, जिसके बाद क्राबी, फांग-नगा या सूरत थानी में वैकल्पिक पर्यटन हॉटस्पॉट में एक और सात दिन बिताए जा सकते हैं। थाईलैंड के पर्यटन प्राधिकरण (टीएटी) के गवर्नर युथासक सुपासोर्न ने कहा, कार्यक्रम पूरी तरह से टीका लगाए गए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए धीरे-धीरे फिर से खोलने की थाईलैंड की योजना की प्रगति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सुरक्षा पर उचित उपायों की तैयारी पूरी तरह से होने के बाद सूची में और गंतव्य जोड़े जाएंगे। अब तक, फुकेत सैंडबॉक्स योजना के तहत देश में कुल 24,190 पर्यटक आ चुके हैं, जिसे 1 जुलाई को लॉन्च किया गया था।

बलूचिस्तान में मारे गये 7 आतंकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आतंकियों के ठिकाने पर छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित संगठन से जुड़े सात आतंकवादी मारे गए। पुलिस के आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने विभाग के हवाले से बताया कि सीटीडी कर्मियों ने बुधवार देर रात लोरलाई जिले के कोहर बांध इलाके में अभियान चलाया, जिसके दौरान आतंकवादियों ने पुलिस दल पर गोलियां चला दी। सीटीडी ने कहा कि आतंकवादियों और पुलिस के बीच गोलीबारी में सात आतंकवादी मारे गए, उनके तीन साथी भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने बताया कि फरार आतंकवादियों की गिरफ्तारी के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। ऑपरेशन के दौरान ठिकाने से विस्फोटक, हथगोले और असॉल्ट राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है।

शिकागो के मेयर ने शहर के श्रमिकों के लिए कोविड वैक्स जनादेश की घोषणा की

शिकागो। शिकागो के मेयर लोरी लाइटफुट ने घोषणा की है कि चिकित्सा या धार्मिक छूट की अनुमति देते हुए, सभी शहर के श्रमिकों को 15 अक्टूबर तक कोविड के खिलाफ पूरी तरह से टीका लगाया जाएगा। लाइटफुट ने बुधवार को एक बयान में कहा कि कोविड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हमें अपने शहर में सभी को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि जो लोग चिकित्सा या धार्मिक कारणों से छूट प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें मानव संसाधन विभाग से मंजूरी लेनी होगी, जो मामले के आधार पर अनुरोधों पर विचार करेगा। शिकागो ट्रिब्यून अखबार ने बुधवार को बताया कि शहर में 30,000 से अधिक कर्मचारी हैं। इस महीने की शुरुआत में, इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रिजकर ने राज्य के कर्मचारियों को 4 अक्टूबर तक टीकाकरण कराने को कहा था, जो जेलों और बुजुर्गों के घरों जैसे सामूहिक सेटिंग्स में काम करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, इलिनोइस में 50.5 प्रतिशत लोगों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है, और 65.1 प्रतिशत लोगों ने पहली खुराक प्राप्त की है।

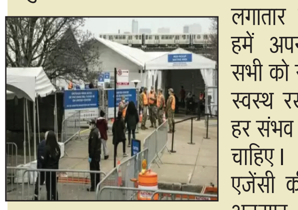

काबुल एयरपोर्ट पर बड़े आतंकी हमले का खतरा, ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने अपने नागरिकों को चेताया

काबुल। (एजेंसी)।

कैनबरा। ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने ÷आतंकवादी हमले के बहुत बड़े खतरे÷ के कारण लोगों को काबुल हवाई अड्डे की यात्रा करने के खिलाफ चेतावनी दी है। जो लोग एयरपोर्ट के बाहर जमा हुए हैं, उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी गई है। तालिबान के 15 अगस्त को राजधानी शहर पर नियंत्रण करने के बाद से पश्चिमी बलों ने काबुल हवाईअड्डे से 80,000 से अधिक लोगों को एयरलिफ्ट किया है। हवाईअड्डे पर अराजकता में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। द गार्जियन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूके ने 'आतंकवादी हमले के उच्च जोखिम' के बारे में बढ़ती चिंताओं को आवाज दी है, विशेष रूप से इस्लामिक स्टेट से संबद्ध समूह ISIS-K द्वारा आत्मघाती बमबारी करने की संभावना है।

अमेरिका की एडवायजरी

अमेरिका ने अफगानिस्तान में अमेरिकियों को 'गेट्स के बाहर सुरक्षा खतरों के कारण' हवाई अड्डे पर यात्रा या इकट्ठा नहीं होने की सलाह दी। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, ÷एबी गेट, ईस्ट गेट या नॉर्थ गेट पर रहने वालों को अब तुरंत निकल जाना चाहिए।÷

ऑस्ट्रेलिया ने जारी किया अलर्ट

ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान में अपने नागरिकों को काबुल हवाईअड्डे न जाने की सलाह दी है जहां 'आतंकवादी हमला होने का बहुत गंभीर खतरा है।' इसने कहा कि हवाईअड्डा परिसर में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर जाने और अगले आदेश की प्रतीक्षा करने की सलाह दी जाती है।

ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री मारिसे पायने ने कहा कि यह यात्रा परामर्श ब्रिटेन और न्यूजीलैंड की संशोधित यात्रा सलाह के समान है। काबुल में अमेरिकी दूतावास ने अनिर्दिष्ट सुरक्षा मुद्दे पर अमेरिकी नागरिकों को हवाईअड्डे के तीन विशिष्ट द्वारों से दूर रहने की चेतावनी दी है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने पिछले हफ्ते बुधवार से करीब 4,000 लोगों को हवाईअड्डे से सुरक्षित निकाला है जिनमें से 1,200 को कल रात निकाला गया। उन्होंने कहा, 'बेहद खतरनाक माहौल बना हुआ है।' मॉरीसन ने कहा, 'खतरा एवं जोखिम हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रहा है, जैसा कि हम हमेशा से जानते थे कि ये बढ़ेगा, और इसलिए हम जल्दबाजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

इमरान खान ने व्लादिमीर पुतिन से अफगानिस्तान के बिगड़ते हालात पर की चर्चा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को अफगानिस्तान में ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की और संघर्षग्रस्त देश में स्थिति से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों का आह्वान किया। अफगानिस्तान की राजधानी पर पिछले सप्ताह तालिबान ने कब्जा कर लिया। विदेश कार्यालय के अनुसार खान को राष्ट्रपति पुतिन की तरफ से टेलीफोन कॉल आया और दोनों ने अफगानिस्तान में पैदा हो रही स्थितियों और द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

खान ने इस बात को रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अफगानिस्तान के लोगों की मदद करने और मानवीय जरूरतों को पूरा करने तथा आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए सरकारात्मक रूप से काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री खान ने कहा कि पाकिस्तान और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और स्थिर अफगानिस्तान बेहद जरूरी है।

तालिबान ने खुलेआम किया स्वीकार, पाकिस्तान को बताया दूसरा घर

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है और पाकिस्तान उन्हें मान्यता दिलाने की कोशिशों में जुटा हुआ है। हालांकि विशेषज्ञों ने पाकिस्तान को चेताया है कि उन्हें इसकी वजह से दीर्घकालिक नुकसान हो सकते हैं। इसी बीच हम आपको बता दें कि तालिबान ने खुले तौर पर पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को कबूला है। हालांकि यह भी किसी से नहीं छिपा है कि पाकिस्तान हमेशा से ही तालिबान का समर्थक रहा है।

तालिबान ने पाक को बताया दूसरा घर

इसी बीच तालिबान ने पाकिस्तान का अपना दूसरा घर बताया है। दरअसल, तालिबान के प्रकवा जबीउल?लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा कि

पाकिस्तान उनके लिए दूसरे घर की तरह है। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी गतिविधि को अनुमति नहीं देने की बात कही है।

पाकिस्तानी टीवी चैनल से बातचीत के दौरान तालिबानी प्रवक्ता ने कहा कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में प्रवेश किए हुए हमें 12 दिन हो चुके हैं। सभी इलाकों पर हमारा नियंत्रण है और शांति स्थापित हो रही है। उन्होंने महिलाओं के अधिकार की भी बात कही।

तालिबान पर लोगों को भरोसा कम

तालिबानी प्रवक्ता ने कहा कि महिलाओं को इस्लाम पर आधारित अधिकार दिए जाएंगे। हालांकि अफगानी लोगों को तालिबान पर भरोसा थोड़ा कम है क्योंकि उन्होंने विगत में उन्हें द्वारा किए गए अत्याचारों को देखा है। तभी तो काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया और लोग वहां से निकलने के लिए विवश हो गए।

तालिबान ने अफगानिस्तान में मजबूत सरकार की जरूरत पर जोर दिया। तालिबानी प्रवक्ता ने कहा कि हम मजबूत सरकार बनाना चाहते हैं जो इस्लाम पर आधारित हो। हमारी सरकार में अफगानी शामिल होंगे। वहीं, उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान पर कब्जा करने के लिए तालिबान के हमले में पाकिस्तान की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश ने कभी भी उनके मामलों में 'हस्तक्षेप' नहीं किया है।

वियतनाम में नागरिक स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दों पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने की बात

हनोई। (एजेंसी)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बृहस्पतिवार को अपनी दक्षिण-पूर्व एशिया यात्रा सम्पन्न करते हुए नागरिक स्वतंत्रता के मुद्दों की बात की। वियतमान में हैरिस ने एलजीबीटीक्यू अधिकारों और जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर काम रहे कार्यकर्ताओं के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हैरिस ने कहा, '' यदि हमें उन चुनौतियों का सामना करना है, तो इसका सामना सहयोगात्मक तरीके से करने की जरूरत है, हमें हर क्षेत्र के लोगों को सशक्त बनाना चाहिए, जिसमें यकीनन सरकार और उसके साथ ही समुदाय के नेता, व्यापार जगत के लोग, नागरिक समाज भी शामिल हैं....अगर हमें हमारे पास सामूहिक रूप से मौजूद संसाधनों को बढ़ाना है।''

अमेरिका रवाना होने से पहले हैरिस बृहस्पतिवार शाम को एक संवाददाता सम्मेलन भी करेंगी। वियतनाम को अभिव्यक्ति एवं प्रेस की स्वतंत्रता पर

प्रतिबंध, देश में महिलाओं के खिलाफ व्यापक हिंसा और राजनीतिक असंतुष्टों के खिलाफ कार्रवाई के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में हैरिस ने ट्रांसजेंडर लोगों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता के बारे में तो बात की। उन्होंने वियतनाम सरकार की उसके उत्पीड़न के लिए कोई आलोचना नहीं की। इस कार्यक्रम में कई पत्रकार भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया की हैरिस की यात्रा का समापन हुआ। हैरिस की सिंगापुर और वियतनाम यात्रा का लक्ष्य अमेरिका के इन देशों के साथ संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिकी प्रयासों को तेज करना था।

अफगानिस्तान में 31 अगस्त के बाद राजनयिक मौजूदगी के 'विकल्पों' पर विचार कर रहे हैं: अमेरिका

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने कहा है कि 31 अगस्त को अफगानिस्तान से निकासी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद वह वहां राजनयिक मौजूदगी के लिए अनेक ''विकल्पों'' पर विचार कर रहा है। विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा,'' 31 अगस्त के बाद हमारी मौजूदी के संबंध में हम विभिन्न विकल्पों पर विचार रहे हैं।'' उन्होंने निकासी अभियान की समय-सीमा समाप्त होने के बाद अफगानिस्तान में अमेरिका की राजनयिक मौजूदगी के संबंध में कहा,'' मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में, हफ्तों में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी, लेकिन हम विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।''

विदेश मंत्री ने कहा कि अगले कुछ दिन में अमेरिका का पूरा ध्यान अपने नागरिकों, अफगान साझेदारों, अन्य साझेदार देशों जो अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ काम कर रहे थे, उन्हें अफगानिस्तान से सुरक्षित बाहर निकालने पर केन्द्रित होगा। हम इसे पंसद करें या नहीं, पर इसके लिए तालिबान के साथ काम करना जरूरी है, जिसने अफगानिस्तान के अधिकतर हिस्से पर कब्जा कर लिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका काफी समय से तालिबान के साथ राजनयिक माध्यम से संपर्क में था और अफगानिस्तान संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा,'' इस संबंध में अब भी तालिबान और पूर्व अफगान सरकार के सदस्यों के बीच बातचीत चल रही है। उदाहरण के तौर पर सत्ता हस्तांतरण पर और भविष्य में बनने वाली सरकार में अन्य पक्षों को शामिल करने के मुद्दे पर बात हो रही है। मेरा मानना है कि इन प्रयासों का समर्थन करना हमारे हित में है।'' विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका, अफगानिस्तान में तालिबान नीत किसी भी सरकार के साथ अपने सहयोग को ''अमेरिकी हितों'' के परिप्रेक्ष्य में परखेगा। उन्होंने कहा,'' अगर भविष्य की सरकार अफगान लोगों के मूल अधिकारों को बरकरार रखती है, अगर यह सुनिश्चित करती है कि अफगानिस्तान को हम पर, हमारे सहयोगियों तथा भागीदारों के खिलाफ आतंकवादी हमलों के लिए 'लॉन्चिंग पैड' के रूप में इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा, अगर वह अफगानिस्तान छोड़ने के इच्छुक लोगों को देश से जाने देने की अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरी उतरती है, तो उस सरकार के साथ हम काम कर सकते हैं।

अफगानिस्तान में बिगड़ रहे हालात, देश छोड़ने के लिए गंदे नाले में खड़े हैं हजारों अफगानी, लगा रहे मदद की गुहार

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद वहां के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे है। हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल है। स्थानीय लोगों के देश छोड़ने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है। दूसरी ओर तालिबान ने साफ तौर पर कह दिया है कि किसी भी अफगानी नागरिक को वह देश छोड़ने नहीं देगा। यही कारण है कि तालिबान अब अफगान नागरिकों को काबुल एयरपोर्ट की यात्रा करने से रोक रहे है ताकि कोई नागरिक विदेश ना चला जाए। दूसरी और तालिबान एयरपोर्ट के पास अब भी हजारों लोगों की भीड़ है। एक वीडियो को वायरल हो रहा है जिसमें सैकड़ों अफगान नागरिक घुटनों तक सीवर के पानी में खड़े होकर अपने कागजात को लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सैनिकों से यह अंदर प्रवेश करने की गुहार लगा रहे है। इनमें कई महिलाएं भी हैं जो अपने बच्चों को गोद में रखी हुई हैं। एयरपोर्ट जाने वाले रास्ते को ब्लॉक कर दिया गया है। तालिबान से बचने के लिए लोग के सिवर और नाले में छिपने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वहां की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। महंगाई चरम पर है। लोगों को एयरपोर्ट पर जीने के लिए एक बोतल पानी की कीमत लगभग रू3000 देनी पड़ रही है जबकि एक प्लेट चावल की कीमत 7000 के ऊपर है।

मेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने कहा है कि तालिबान ने काबुल हवाईअड्डे के आस-पास पहुंच एवं नियंत्रण के अपने कदमों को मजबूत कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अफगानिस्तान में लोगों तक पहुंचने का एकमात्र माध्यम हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'तालिबान ने अपनी चौकियों पर सुरक्षा बढ़ा दी है और वे भीड़ नियंत्रण में जुट गए हैं... हमने कल अनुमान लगाया कि भीड़ पिछले दिनों की तुलना में लगभग आधी है।'

मोदी-पुतिन वार्ता के बाद अफगान कॉकपिट में लौटा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक महत्वपूर्ण बातचीत के बाद अफगान कॉकपिट में लौट आया है। बातचीत में कई मुद्दे उभर कर सामने आए। रूस लंबे समय से तालिबान के साथ संपर्क में रहा है, जिसने इस महीने 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया है। लेकिन दोनों देशों ने फैसला किया कि वे तालिबान के नए अमीरात की मान्यता के संबंध में अपनी स्थिति का समन्वय करेंगे, जो तभी होगा, जब जातीय पश्तूनों के प्रभुत्व वाले इस्लामी समूह के व्यवहार में एक उल्लेखनीय परिवर्तन होगा। 1996 में अफगानिस्तान में सत्ता हथियाने के बाद से भारत को तालिबान के अपने पहले के अवतार के बारे में गहरी शंका है, क्योंकि उसके शासन में देश अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के प्रजनन के लिए ग्राउंड जीरो बन गया था। नतीजतन, नई दिल्ली और मॉस्को ने संयुक्त रूप से तालिबान से निपटने के लिए समन्वय का एक संस्थागत तंत्र स्थापित किया है। विदेश मंत्रालयों और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के कार्मिक इस तंत्र को मार्शल करेंगे। मोदी-पुतिन संवाद पर क्रेमलिन के एक बयान में कहा गया है, अफगानिस्तान पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए, पार्टियों ने ठोस प्रयासों के महत्व पर ध्यान दिया है, जो देश में शांति और स्थिरता स्थापित करने और सामान्य रूप से क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। उन्होंने आतंकवादी विचारधारा के प्रसार और अफगान क्षेत्र से निकलने वाले ड्रग्स के खतरे के विरोध में सहयोग बढ़ाने के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। वे इस मुद्दे पर स्थायी परामर्श के लिए दोतरफा चैनल स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। अब ऐसा प्रतीत होता है कि अफगानिस्तान की तेजी से विकसित होती स्थिति के बारे में गहराई से चिंतित यूरेशियाई दिग्गजों में, भारत, रूस और ईरान एक ही पृष्ठ पर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केरल में कोविड-19 के मामले बढ़ने के पीछे सरकार की लापरवाही जिम्मेदार!

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री और संसदीय मामलों के मंत्री वी मुरलीधरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि केरल सरकार की ''लापरवाही'' राज्य में कोविड-19 के मामलों और संक्रमण दर में वृद्धि की वजह है जबकि राज्य सरकार का ध्यान मोपला विद्रोह की वर्षगांठ मनाने पर है। दक्षिणी राज्य में बुधवार को कोरोना वायरस के 31,445 नए मामले सामने आए। राज्य में कल 215 मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 19,972 पर पहुंच गयी जबकि संक्रमण दर बढ़कर 19.03 प्रतिशत है। केरल में तीन महीने के अंतराल के बाद 30,000 से अधिक मामले आए हैं। यहां आखिरी बार कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान 20 मई को 30,000 के पार मामले दर्ज किए गए थे। नयी दिल्ली में संवाददाताओं से मंत्री ने कहा कि संक्रमण के नए मामलों में वृद्धि, बढ़ती जांच संक्रमण दर (टीपीआर) और मृतकों की संख्या यह दिखाती है कि राज्य महामारी के बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है।उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार की लापरवाही इसकी वजह है।'' उन्होंने कहा कि वाम सरकार का ध्यान मोपला दंगों की वर्षगांठ मनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, ''यह प्राथमिकता नहीं है।

महामारी और बेरोजगारी को लेकर समाजवादी पार्टी ने किया जन आक्रोश आंदोलन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आज समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने जनाक्रोश आंदोलन निकाली। इस आंदोलन में नेताओं ने सरकार के खिलाफ मोर्चा किया। इनके आंदोलन निकालने की सबसे बड़ी वजह बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और वैश्विक महामारी कोरोना से हुई लाखों लोगों की मौत को लेकर कार्यकर्ताओं ने मोर्चा निकाला। भारत माता मंदिर से हजारों की संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता ने बीजेपी सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। आज से सभी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता रैली के माध्यम से बूथ स्तर तक पहुंच कर जनता में बीजेपी सरकार के खिलाफ आक्रोश जगा रहे और 2022 में चुनाव में सपा सरकार को फिर से लाने का आवाहन कर रहे हैं।

तमिलनाडु की स्वास्थ्य योजना के 20 दिन में हुए 2 लाख लाभार्थी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना मक्कलाई थेडी मारुथुवम के 4 अगस्त को लॉन्च होने के बाद से, केवल 20 दिनों में लगभग 2 लाख लोगों को फायदा मिल चुका है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी दी है। इस योजना का उद्देश्य लोगों को उनके दरवाजे पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करना है, इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कृष्णागिरी जिले में किया था। विभाग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सबसे अधिक लाभार्थी रामनाथपुरम जिले से हैं, जिसमें 13,589 विकलांग लोगों को योजना का लाभ मिल रहा है। इसके बाद कृष्णागिरि जिले में 12,434 लाभार्थी हैं। विभाग ने कहा कि वह मधुमेह और उच्च रक्तचाप के रोगियों की पहचान करने की योजना बना रहा है, जो कोविड -19 मौतों का मुख्य कारण हैं। मक्कलाई थेडी मारुथुवम योजना के तहत, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की एक टीम रोगी के निवास पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की जांच करेगी या एक स्वास्थ्य विशेषज्ञ व्यक्ति के दरवाजे पर पहुंचकर उन्हें सलाह और उपचार प्रदान करेगा।

चुनाव से पहले भाजपा ने उत्तराखंड में विधानसभा प्रभारी नियुक्त किए

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के दो दिवसीय दौरे के कुछ दिनों बाद, पार्टी की उत्तराखंड इकाई विधानसभा प्रभारी की नियुक्ति के साथ चुनावी मोड में आ गई है। एक विधानसभा सीट की जिम्मेदारी एक वरिष्ठ नेता को दी गई है। भाजपा उत्तराखंड अध्यक्ष मदन कौशिक ने प्रभारियों की सूची को मंजूरी दी। इतने ही विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 70 वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी बनाया गया है। सूत्रों ने बताया कि ये विधानसभा प्रभारी जमीनी हालात का जायजा लेंगे और इसे राज्य नेतृत्व को भेजेंगे। उन्होंने कहा, वे चुनाव तक जमीन पर राज्य नेतृत्व के फैसलों और रणनीति के क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे। पार्टी के एक पदाधिकारी के अनुसार, एक प्रभारी विधानसभा सीट की प्रत्येक गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और सभी स्तरों पर समन्वय सुनिश्चित करता है। पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, वे मूल रूप से राज्य नेतृत्व की आंख और कान के रूप में काम करेंगे और सभी को एक साथ लेकर जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और पंजाब के साथ 70 सदस्यीय उत्तराखंड विधानसभा के चुनाव अगले साल की शुरुआत में होंगे। चुनाव से एक साल पहले, भाजपा ने उत्तराखंड में दो मुख्यमंत्रियों – त्रिवेंद्र सिंह रावत और तीरथ सिंह रावता को चार महीने में बदल दिया और पुष्कर सिंह धामी को राज्य का नया मुख्यमंत्री बनाया।

निलंबित आईपीएस अधिकारी पर देशद्रोह कानून के इस्तेमाल पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरुवार को एक परेशान करने वाली चलन की ओर इशारा किया, जहां पुलिस अधिकारी सत्ता में पार्टी का साथ देते हैं। बाद में जब कोई अन्य राजनीतिक दल सत्ता में आता है, तो उन्हें निशाना बनाया जाता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, जब कोई राजनीतिक दल सत्ता में होता है, तो पुलिस अधिकारी उनका साथ देते हैं। फिर, जब कोई नई पार्टी सत्ता में आती है, तो सरकार उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करती है। यह एक नया चलन है, जिसे रोकने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने आगे कहा कि यह देश में एक बहुत ही परेशान करने वाला चलन है और इसके लिए पुलिस विभाग भी जिम्मेदार है। शीर्ष अदालत ने एक निलंबित वरिष्ठ एडीजी रैंक के अधिकारी गुरजिंदर पाल सिंह को गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान करते हुए ये टिप्पणियां कीं, जिनके खिलाफ दो आपराधिक मामले (राजद्रोह और आय से अधिक संपत्ति जमा करना) छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दायर किया गया है।

अफगान मुद्दे को लेकर बोले मल्लिकार्जुन खड़गे, संतुष्ट होने की बात नहीं, देशहित के मामले में हम एकजुट हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने गुरुवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को अफगानिस्तान की ताजा स्थिति की जानकारी दी। बैठक समाप्त होने के बाद राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संतुष्ट होने और नहीं होने की बात नहीं है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संतुष्ट होने और नहीं होने की बात नहीं है। यह देशहित का मामला है। लोगों और राष्ट्र के हित में एकजुट होकर काम करना है। उन्होंने कहा है कि वेट एंड वॉच। जिसका मतलब है कि अभी दूसरे देशों का क्या रुख रहेगा, तालिबान के बारे में। उनका क्या विचार रहेगा यह भी बताया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने एक महिला (अफगान) राजनयिक का मुद्दा उठाया।उस पर उन्होंने कहा था कि हो गई गलती, ऐसा आगे से नहीं होगा, इसे वो देखेंगे। बाकी दिल्ली में जो छात्र हैं उनका हित भी देखा जाएगा। हमने जो 6-7 मुद्दा उठाया था, उस पर उन्होंने जवाब दिया है। हालांकि कितना अमल होता है, हम देखेंगे।

बैठक में किन-किन लोगों ने लिया हिस्सा?

आपको बता दें कि संसदीय सौंध में आयोजित सर्वदलीय बैठक में एस जयशंकर के अलावा राज्यसभा के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल तथा संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी भी मौजूद थे। इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, द्रमुक नेता टी आर बालू, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल सहित कुछ अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया।

इस बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी बयान जारी करते हुए कहा कि 31 पार्टियों के 37 नेता बैठक में मौजूद ?थे। इस मुद्दे पर सरकार और सब राजनीतिक पार्टियों की एक जैसी राय है। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा ध्यान लोगों को निकालने में है और सरकार इसके लिए सबकुछ कर रही है।

सीबीआई ने बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के संबंध में 9 मामले दर्ज किए

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा के संबंध में नौ मामले दर्ज किए हैं। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंसा के मामलों की जांच का जिम्मा संभाल रही जांच एजेंसी की सभी चार विशेष इकाइयों ने अपने दलों को कोलकाता से, राज्य के अपराध स्थलों में भेजा है। सूत्रों ने बताया कि कुछ और मामले दर्ज किए जाने की प्रक्रिया में हैं और उनमें से कुछ मामले राज्य सरकार ने सौंपे हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा के दौरान कथित दुष्कर्म और हत्या के मामलों की जांच सीबीआई को सौंपी है। उच्च न्यायालय ने दो मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य में हिंसा पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक समिति द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ये निर्देश दिए।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में आठ चरणों में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के साथ कड़े मुकाबले के बाद शानदार जीत दर्ज की। स्वतंत्र जांच की मांग कर रही जनहित याचिकाओं पर सर्वसम्मति से फैसला देते हुए उच्च न्यायालय की पीठ ने सभी अन्य मामलों की जांच के लिए राज्य पुलिस अधिकारियों के एक विशेष कार्य बल (एसआईटी) का भी गठन करने का आदेश दिया। एसआईटी में पश्चिम बंगाल कैडर के आईपीएस अधिकारी सुमन बाला साहू, सौमेन मित्रा और रणवीर कुमार शामिल होंगे।

अफगानिस्तान से भारत आ रहे हिंदू और सिख परिवारों को बसाने के लिए अमित शाह को लिखा गया पत्र

बरेली (उार प्रदेश)।(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के जल शक्ति राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर अफगानिस्तान से भारत आ रहे हिंदू तथा सिख परिवारों को रामपुर जिले की बिलासपुर तहसील में बसाने की पेशकश की है। औलख ने बुधवार को शाह को लिखे पत्र में कहा कि भारत सरकार द्वारा अफगानिस्तान से विस्थापित हिंदू और सिख परिवारों को भारत लाया जा रहा है। उन्हें बसाने के लिए रामपुर जिले की बिलासपुर तहसील में जमीन देने के लिए वहां के निवासी तैयार हैं। उन्होंने पत्र में कहा विस्थापित हिंदू और सिख परिवारों के भरण-पोषण के लिए कृषि योग्य भूमि भी उपलब्ध कराई जाएगी जिससे वह अपना जीवन यापन कर सकेंगे।

राज्य मंत्री ने पत्र में गृह मंत्री शाह से अनुरोध किया कि वह अफगानिस्तान से लाए गए हिंदू और सिख परिवारों को रामपुर जिले की बिलासपुर तहसील में बसाए जाने के संबंध में आदेश दें। गौरतलब है कि अफगनिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद से बड़ी संख्या में हिंदू और सिख परिवार भारत आ रहे हैं।

5 सितंबर को होने वाली महापंचायत को नरेश टिकैत ने बताया धर्मयुद्ध, कहा- यह नहीं टलेगा

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान नेताओं का आंदोलन पिछले 9 महीने से लगातार जारी है। दिल्ली के अलग-अलग सीमाओं पर किसान नेता अपने समर्थकों के साथ लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इन सबके बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने बड़ा बयान किया है। चौधरी नरेश टिकैत ने साफ तौर पर कहा कि आने वाले 5 सितंबर को मुजफ्फरनगर में जो महापंचायत होने वाली है वह देश के किसानों के लिए धर्मयुद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि देश के किसान पिछले 9 महीने से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं मगर सरकार की ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

इससे पहले नरेश टिकैत ने एक और बड़ा बयान देते हुए साफ तौर पर कहा कि जो लोग किसान

आंदोलन की बुराई करने की कोशिश कर रहे हैं और इसे गलत ठहरा रहे हैं वह किसान कहलाने के हकदार नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आंदोलन से जुड़े लोगों के बीच मनमुटाव पैदा करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन हम सारे गिले-शिकवे को भूल कर महापंचायत को सफल बनाने में लगे हुए हैं। आपको बता दें कि 5 सितंबर को मुजफ्फरनगर में किसान आंदोलन को लेकर महापंचायत होने वाली है। इस पंचायत के जरिए आंदोलन को लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। नरेश टिकैत ने दावा किया कि यह महापंचायत देश की आन-बान-शान किसानों के लिए रखा गया है और यह नहीं टलेगा। टिकैत ने साफ तौर पर कहा कि किसान आंदोलन की बुराई और गलत ठहराने वाला व्यक्ति सर्च अखबारों में या मीडिया में बयान दे रहा है। उनके ऐसा करने से हम पीछे नहीं हटेंगे और यह धर्म युद्ध नहीं टलेगा। इससे पहले नरेश टिकैत ने मेरठ से दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर के लिये किसान ट्रैक्टर रैली की शुरुआत करते हुए कहा कि किसान कृषि कानूनों को लेकर अपनी मांग माने जाने तक ÷घर वापसी÷ नहीं करेंगे और अब 2022 के चुनाव में भी सोच-समझ कर फैसला लेंगे। मेरठ के सिवाया टोल प्लाजा से किसान ट्रैक्टर यात्रा के दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर रवाना होने से पहले किसानों को संबोधित करते हुए टिकैत ने कहा, ÷किसान अपनी मांगे माने जाने तक घर वापसी को तैयार नही हैं।

मिशन पंजाब की तैयारी में जुटे अरविंद केजरीवाल, अकाली दल के पूर्व मंत्री को आम आदमी पार्टी में कराया शामिल

चंडीगढ़।(एजेंसी)।

पंजाब में साल 2022 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसके मद्देनजर राजनीतिक दलों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में पूर्व अकाली मंत्री जत्थेदार सेवा सिंह सेखवां ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। जिसमें लिखा कि पंजाब बदलाव के लिए तैयार है।

दिल्ली जैसा होगा पंजाब !

पंजाब के गुरुदासपुर में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जैसे हमने दिल्ली में अच्छी सड़कें, स्कूल और अस्पताल बनाएं। मुफ्त में बिजली और साफ़ पानी दिया। वैसे ही हमारा मिशन है कि हम ऐसा पंजाब बनाए जहां सुख-शांति हो, सभी बच्चों को अच्छी और मुफ़्त शिक्षा मिले, अच्छा इलाज मिले।

कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल

कश्मीर पर कांग्रेस नेताओं के बयानों को लेकर अरविंद केजरीवाल ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कश्मीर लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है। हमको कोई अलग नहीं कर सकता है। इस तरह के बयान सही नहीं हैं। पंजाब एक बॉर्डर स्टेट है, यहां पर कोई भी बयान सोच समझकर दिया जाना चाहिए। जैसा मैंने कहा इन चीजों के ऊपर हम राजनीति नहीं करना चाहते हैं। हम ऐसा पंजाब बनाना चाहते हैं जहां पर सुख शांति हो, चाहे किसी भी धर्म और जाति का आदमी हो, सबका विकास हो।

अविनाश राय खन्ना ने राष्ट्रपति को ' इनीशेटिव 'व' आई एम ए कोरोना सरवाइवर' पुस्तकें की भेंट

शिमला।(एजेंसी)।

भाजपा प्रभारी एवं इंडियन रेडक्रास के नेशनल वाइस चेयरमैन अविनाश राय खन्ना ने भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भेंटकर उन्हें अपनी दो पुस्तकें भेंट की । राष्ट्रपति को सौंपी पहली पुस्तक जिसका नाम 'इनीशेटिव' है , उसमें पिछले चार वर्षों में रेडक्रास के वाइस चेयरमैन के नाते जो देश भर में नई सेवा योजनाएं सफल तरीके से चलाई गई , मका चित्रण किया गया है तथा दूसरी पुस्तक 'आई एम ए कोरोना सरवाइवर' जिसमें उनके द्वारा कोरोना महामारी के दौरान अपने से जुड़े संबंधित घटनाक्रमों को उल्लेखित किया गया है ।

विश्व हिंदू परिषद ने भारत सरकार द्वारा मुस्लिम अफगान शरणार्थियों के लिए अपने द्वार खोलने के कदम का विरोध किया। खन्ना ने बताया कि रेडक्रास से संबंधित उनकी पुस्तक 'इनीशेटिव' को पढ़ते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी अपने बतौर गवर्नर कार्यकाल दौरान रेडक्रास में किए समाजसेवी कार्यों को उनके साथ साझा किया । गौरतलब है कि अविनाश राय खन्ना पंजाब के गढ़शंकर से विधायक रहने के अलावा होशियारपुर से लोकसभा सांसद एवं पंजाब से राज्यसभा सांसद रह चुके हैं । खन्ना लगभग एक वर्ष के लिए पंजाब ह्यूमन राइटस कमीशन के सदस्य भी रहे और आजकल इंडियन रेडक्रास के

नेशनल वाइस चेयरमैन के नाते सेवा कर रहे हैं । इससे पूर्व में भाजपा प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने अपनी पुस्तक हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, पूर्व राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप को भी भेंट की है।

कल्याण सिंह के नाम से जाना जाएगा लखनऊ कैंसर संस्थान और बुलंदशहर का मेडिकल कालेज

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के कद्दावर नेता रहे कल्याण सिंह के नाम पर अब लखनऊ कैंसर संस्थान और बुलंदशहर का राजकीय मेडिकल कॉलेज जाना जाएगा।

गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय से ट्वीटर के माध्यम से मिली जानकारी में बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह जी के जनसेवा भाव को नमन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजकीय मेडिकल कॉलेज, बुलंदशहर तथा सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान, चक गंजरिया, लखनऊ का नामकरण स्व.कल्याण सिंह के नाम पर करने का निर्णय लिया है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 6 जिलों में सड़कों का नाम पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह मार्ग करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण विभाग के मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अयोध्या सहित छह जिलों लखनऊ, अलीगढ़, एटा, बुलंदशहर, प्रयागराज में एक-एक महत्वपूर्ण सड़क का कल्याण सिंह मार्ग नामकरण किया जाएगा। सड़क अब कल्याण सिंह के नाम पर होगी। इसके साथ ही अयोध्या में श्रीराम

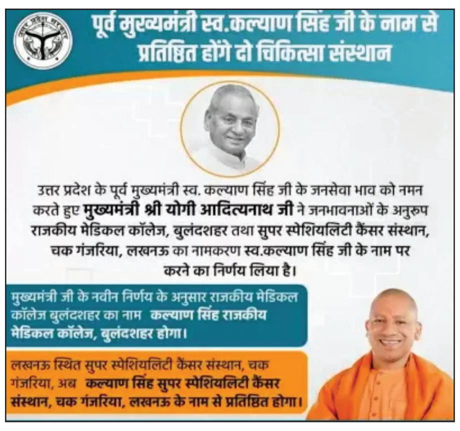

जन्मभूमि मंदिर तक जाने वाली सड़क का नाम कल्याण सिंह मार्ग होगा।

ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का 21 अगस्त को निधन हो गया। कुछ दिनों से कल्याण सिंह की तबीयत नाजुक बनी हुई थी। उन्होंने 89 साल की उम्र में पीजीआई लखनऊ में आखिरी सांस ली। बीते 21 जून को सांस लेने में तकलीफ के चलते उन्हें लखनऊ के लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर चार जुलाई को उन्हें पीजीआई में भर्ती कराया गया था। उनके निधन पर तमाम दिग्गज सियासी हस्तियों ने अपनी संवेदनाएं जाहिर की हैं। कल्याण सिंह के निधन के बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी लगातर तीन दिन तक उनके परिजन की तरह साथ निभाते रहे।

कल्याण सिंह के बेटे सांसद राजवीर सिंह ने उनके पिता के दाह संस्कार में साथ देने के लिए मुख्यमंत्री योगी की तारीफ की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए एक भावुक पोस्ट लिखी। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि कैसे सीएम योगी अस्पताल से कल्याण सिंह के पार्थिव शरीर के साथ ही उनके घर गए और वहां शांति पाठ कराया। वह विधानभवन और भाजपा कार्यालय भी गए। फिर अलीगढ़ स्थित पैतृक गांव आकर खुद सारी व्यवस्थाएं संभाल लीं।

उन्होंने लिखा-जिस व्यक्तित्व ने अपने पिता के निधन पर उत्तर प्रदेश सरकार की जिम्मेदारियों की व्यस्तता के चलते उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हुए। मुख्यमंत्री जी आपने प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बाबू जी के निधन के पश्चात 3 दिन उनके पार्थिव शरीर और दाह संस्कार तक साथ रहकर रामभक्त आदरणीय बाबूजी जी के बड़े बेटे का हक निभाया है, जिसके लिए मैं, मेरा परिवार और क्षेत्र की जनता सदैव आपकी ऋणी रहेगी। ऐसे योगी के लिए मैं नतमस्तक हूं।

'ध्यान रखें, बिक्री में व्यस्त सरकार' राहुल गांधी ने कोविड को लेकर भारत सरकार पर साधा निशाना

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोविड-19 महामारी के मामलों में बढ़ोतरी को चिंताजनक करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि टीकाकरण की गति तेज करने की जरूरत है ताकि अगली लहर में महामारी के गंभीर प्रभाव से बचा जा सके। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की और राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस समय 'बेचने'में लगी हुई है। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, ''कोविड-19 के मामलों में वृद्धि चिंताजनक है। टीकाकरण को गति दी जानी चाहिए ताकि अगली लहर में महामारी के गंभीर प्रभाव से बचा जा सके। कृपया अपना ध्यान रखें क्योंकि भारत सरकार 'बेचने' में व्यस्त है।'' गौरतलब है कि एक दिन में कोविड-19 के 46,164

नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,25,58,530 हो गई। वहीं, उपचार करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 3,33,725 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संक्रमण से 607 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,36,365 हो गई। देश में अभी 3,33,725 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 1.03 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 11,398 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.63 प्रतिशत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com | www.facebook.com/krantisamay1 | www.twitter.com/krantisamay1

प्रदेश के दो आईपीएस अधिकारियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा

क्रांति समय संवाददाता

चिरमिरी। प्रदेश के दो आईपीएस अधिकारियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोरिया जिले में पुलिस अधीक्षक रह चुके एसपी चंद्र मोहन सिंह तथा आईजी सरगुजा रतनलाल डांगी को उच्च न्यायालय की अवमानना करने के कारण नोटिस जारी किया गया है। मामले में पुलिस अधिकारियों की मुश्किलें अब बढ़ती हुई नजर आ रही है। दरअसल मामला 2016 का है जिसमें छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश के कोरिया आने के दौरान जिला न्यायालय बैकुंठपुर तथा मनेंद्रगढ़ कोर्ट जाने के लिए सोल्ड इनोवा गाड़ी के लिए 454 किलोमीटर चलने का भुगतान किया था। मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के लिए आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने चर्चा थाने में शिकायत की थी जिसके बाद भी कार्यवाही नहीं होने के बाद एसपी कोरिया तथा आईजी सरगुजा के समक्ष भी लिखित शिकायत की थी। जिस पर कार्यवाही ना होने पर राजकुमार मिश्रा के द्वारा छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में अपराधिक रिट याचिका प्रस्तुत की गई।

गौरतलब है कि, वर्ष 2016 में हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश कोरिया दौरे पर आए हुए थे। बिलासपुर से कोरिया तक का सफर उन्होंने ट्रेन से तय किया था। इसके बाद हाई कोर्ट के

न्यायाधीश सोल्ड इनोवा गाड़ी में स्टेशन से रेस्ट हाउस फिर रेस्ट हाउस से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट बैकुंठपुर गए और वहां से मनेंद्रगढ़ कोर्ट गए तथा मनेंद्रगढ़ कोर्ट से वापस रेस्ट हाउस बैकुंठपुर आए इसके बाद न्यायाधीश उसी दिन रात की ट्रेन से वापस बिलासपुर लौट गए। जानकारी के अनुसार, न्यायधीश के इनोवा गाड़ी से चलने की अधिकतम दूरी 125 किलोमीटर होनी चाहिए थी। पर अधिकारियों ने इनोवा गाड़ी के लिए 454 किलोमीटर चलने का भुगतान कर दिया। उक्त मामले की जानकारी आरटीआई से निकालने के बाद एफ आई आर दर्ज कराने के लिए आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने पुलिस थाना चर्चा में लिखित शिकायत भी दी थी। जिसके बाद चर्चा थाना प्रभारी के द्वारा मामले में कोई कार्यवाही नहीं करने के बाद एसपी कोरिया तथा आईजी सरगुजा से भी उक्त मामले में शिकायत दर्ज कराने हेतु पत्राचार किया गया। जिसके बावजूद भी अधिकारियों ने मामले में कोई एफ आई आर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में अपराधिक रिट याचिका प्रस्तुत की जहां से अधिकारियों को मामले में 6 माह के भीतर कार्यवाही करने के आदेश जारी किए गए। पर अधिकारियों ने हाईकोर्ट के आदेश को भी नहीं माना। जिस पर आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने हाईकोर्ट में आईपीएस अधिकारियों के विरुद्ध अवमानना याचिका प्रस्तुत की जिस पर दो आईपीएस अधिकारियों को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

दो अलग-अलग तारीखों के लिए कर दिया भुगतान :-

मामले में आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा का कहना है कि हाई कोर्ट के न्यायाधीश कोरिया जिला ट्रेन से पहुंचे थे जहां से बे सोल्ड इनोवा गाड़ी में रेस्ट हाउस बैकुंठपुर पहुंचे इसके बाद डिस्टिक कोर्ट तथा मनेंद्रगढ़ कोर्ट से आकर उसी दिन शाम की ट्रेन से वापस लौट गए पर उक्तइनोवा गाड़ी को उसी काम के लिए 19 तथा 20 तारीख का भुगतान किया गया है। वही स्टेशन से रेस्ट हाउस तथा बैकुंठपुर से मनेंद्रगढ़ और वापस बैकुंठपुर आने में अधिकतम 125 किलोमीटर की दूरी है। पर उसके लिए भी 454 किलोमीटर का भुगतान किया गया है जो कि गलत है।

अवैध रूप से मोबाइल टावर लगाने वाले के विरुद्ध हुई कार्यवाही निगम ने कार्य बंद करा कर सामग्री किया गया जब्त

भिलाई (एजेंसी) अवैध रूप से चोरी छुपे मोबाइल टावर लगाने वाले के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कार्य को बंद कराया गया और टावर लगाने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री को भी जब्त किया गया! मामला शांति नगर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है इस वार्ड में सड़क नंबर 5 बी प्लाट क्रमांक 140 के मकान में भारती एयरटेल कंपनी द्वारा टावर लगाने का काम किया जा रहा था! वार्ड क्रमांक 11 निवासी पूनम शर्मा का यह मकान है जिनके मकान के प्रथम तल में टावर लगाने की पूरी तैयारी की जा रही थी! मोहल्ले वासियों को जब इस बात की खबर लगी तो उन्होंने टावर लगाने का विरोध किया और इसकी शिकायत उन्होंने निगम से की! शिकायत पर निगम ने मोबाइल टावर नहीं लगाने के संबंध में संबंधित एजेंसी को सूचना पत्र जारी किया! एजेंसी को सूचना पत्र प्राप्त होने के बाद भी उन्होंने अपना काम जारी रखा! तब निगम की टीम पहुंची और टावर लगाने के काम को बंद कराया! इसके साथ ही टावर लगाने के लिए उपयोग में लाए जाने वाली सामग्री 8 नग बैटरी, 2 नग लोहे की सीढ़ी एवं ३ नग लोहे के अन्य सामान को जप्त किया! एजेंसी के जयकुमार के समक्ष यह कार्रवाई की गई! कार्रवाई के दौरान भवन अनुज्ञा विभाग के उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, विशेष दस्ता के बालकृष्ण नायडू एवं तोडफ़ोड़ दस्ता के कन्हैया यादव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे!

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न

08 गांवो को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु 07 करोड़ 96 लाख 44 हजार रूपये के कार्यो की प्रशासकीय स्वीकृति का अनुमोदन

मुंगेली,(एजेंसी)कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेस्टोफिटिंग ऑनलाईन निविदाओ, पाईप लाईन के माध्यम से हर घर जल और विद्यमान पेयजल स्त्रोतो से जल नमूनों के परीक्षण आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जिले के ०८ गांवो को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु ०७ करोड़ ९६ लाख ४४ हजार रूपये के कार्यो की प्रशासकीय स्वीकृति का अनुमोदन किया गया। इनमें विकास खण्ड लोरमी के ग्राम बांधा एवं गैजी के लिए १ करोड़ ४० लाख ७२ हजार, विकास खण्ड मुंगेली के ग्राम देवरी के लिए १ करोड़ ६३ लाख ९७ हजार, ग्राम धरमपुरा के लिए १ करोड़ ५७ लाख ९१ हजार, ग्राम कोदवाबानी, कंतेली और रोहराखुर्द के लिए २ करोड़ ६९ लाख ९८ हजार और विकास खण्ड पथरिया के ग्राम टिकैतपेड्री के लिए ६३ लाख ९६ हजार के कार्य शामिल है। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने विभिन्न कार्यो में किये जा रहे व्यय राशि के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उन्होने विभिन्न कार्यो में किये जा रहे व्यय राशि का अनुमोदन हेतु कार्यो की टाईम लाईन बनाकर प्रस्तुत करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता तथा जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के सदस्य सचिव श्री संजीव बृजपुरिया को निर्देश दिये। बैठक में उन्होने उच्च स्तरीय जलागार निर्माण, विद्यमान पेयजल स्त्रोतो से जल नमूनो के परीक्षण हेतु फिल्ड टेस्ट किट और मैदानी अधिकारियों एवं लैब स्टाफ हेतु एफटीके क्रय के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्री रोहित व्यास सहित जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की सभी सदस्य मौजूद थे।

अधिकारियों के साथ गड्ढे भरवाने सड़कों में निकले विधायक निर्माण कार्यों के दौरान आमजनों को ना हो असुविधा:वोरा

दुर्ग (एजेंसी)। शहर के सर्वांगीण विकास एवं मूलभूत समस्याओं में से प्रमुख बरसात से हुए गड्ढों को भरवाने विधायक अरुण वोरा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ स्वयं फील्ड पर निकले। उन्होंने खुद खड़े रहकर कई स्थानों पर गड्ढे भरवाए। गड्ढों से आए दिन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे बुजुर्ग एवं महिलाओं की लगातार शिकायत मिलने के बाद विभागों द्वारा गड्ढे पाटने में सक्रियता दिखाई गई। वोरा की मौजूदगी में शहर के जेल तिराहा से मिनीमाता चौक, शिवनाथ नदी के पुराने ब्रिज, पटेल चौक एवं पटरी पार क्षेत्र के धमधा नाका में कई स्थानों पर गड्ढे पाटे गए। वोरा ने कहा कि शहर में करोड़ों रुकी राशि से विकास कार्य कराए जा रहे हैं किंतु निर्माण कार्यों के दौरान आम जनता को कम से कम परेशानी हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने 64 करोड़ के मुख्य मार्ग का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्युत पोल हटाए जाने के कारण सड़क में अंधेरा व्याप्त है जहां जहां डिवाइडर का कार्य पूरा हो गया है वहां तत्काल नए सेंटर पोल लगाकर प्रकाश व्यवस्था कराई जाए। गड्ढे भरने का काम लगातार जारी रखा जाए एवं बरसात समाप्त होते ही डामरीकरण का कार्य भी प्रारंभ किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने वार्ड क्रमांक 7 शिक्षक नगर एवं वार्ड क्रमांक 34 सरस्वती नगर का दौरा कर साफ-सफाई, सड़क नाली, निस्तारी तालाब एवं पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं का जायजा लिया। शिक्षक नगर एवं सरस्वती नगर निवासियों ने शिकायत कर बताया कि निगम की पूर्ववर्ती शहरी सरकार के कार्यकाल में लगातार तालाब एवं उद्यानों की उपेक्षा की गई जिसका संज्ञान लेकर उद्यानों के संधारण एवं तालाब का सौन्दर्यकरण कराया जाए एवं साफ सफाई की व्यवस्था और बेहतर की जाए ताकि वार्ड वासियों को इसका लाभ मिल सके।

वोरा ने जिला रोजगार कार्यालय में पंजीयन के लिए दूर दराज से पहुंचे छात्र छात्राओं से भी मुलाकात की एवं उनकी मांग पर पेयजल की व्यवस्था हेतु नवीन वाटर कूलर लगवाने एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से जल्द अहाता निर्माण का आश्वासन दिया। इस दौरान एमआईसी मनदीप भाटिया, पार्षद बिजेंद्र भारद्वाज, कन्या ढीमर, पप्पू श्रीवास्तव सहित वार्डवासी एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, लोनिवि के गगन जैन, रोजगार अधिकारी मौजूद थे।

सहायक प्राध्यापक चिकित्सा विभाग की अंतिम चयन सूची जारी

रायपुर,(एजेंसी) छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग द्वारा चिकित्सा विभाग की सहायक प्राध्यापक की अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत चिकित्सा

भौतिक, रेडियोडायग्नोसिस, रेडियोथेरेपी, फारेंसिक मेडिसिन, पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, फिजियोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री और एनाटॉमी के सहायक प्राध्यापकों के कुल 45 पद विज्ञापित किए गए थे।

आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक पद के लिए 25 अगस्त को साक्षात्कार आयोजन किया गया था। साक्षात्कार के बाद प्राप्त अंको के आधार पर मेरिट सूची जारी की गई है। जारी परिणाम के अनुसार सहायक प्राध्यापक रेडियोडायग्नोसिस के 4 अभ्यर्थी सुश्री शुभकीर्ति अग्रवाल, श्रेयस जायसवाल, मनीष कुमार मेशराम तथा मुकेश पटेल, रेडियोथेरेपी के 2 अभ्यर्थी राजेंद्र प्रसाद पटेल तथा हेमु टंडन, फारेंसिक मेडिसिन के 2 अभ्यर्थी भोज कुमार साहू तथा किशोर सिंह ठाकुर, पैथोलॉजी के 4 अभ्यर्थी अनुभव चंद्राकर, सुश्री वनिता भास्कर, शंकर मार्शल टोप्पो तथा सुश्री काजल चंद्राकर का चयन किया गया है।

इसके अलावा माइक्रोबायोलॉजी के २ अभ्यर्थी सुश्री नीजा मोंगा तथा सुश्री सुचिता नेताम, फार्माकोलॉजी के 01 अभ्यर्थी टीकाम सिंह धुरव, फिजियोलॉजी के 01 अभ्यर्थी मनीष कुमार मार्तण्डेय, बायो केमेस्ट्री के 02 अभ्यर्थी तृप्ति बरादिया, सुश्री विभा टण्डन तथा एनाटॉमी के 03 अभ्यर्थी कुशाल चक्रवर्ती, अविनाश थवाईत तथा सुश्री मंजुलता गनवारे चयनित हुए हैं। सहायक प्राध्यापक चिकित्सा भौतिक के लिए 2 पदों के लिए साक्षात्कार हेतु किसी भी अभ्यर्थी का चिन्हांकन नहीं किया जा सका था।

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2020-21 में 3 करोड़ मानव दिवस का रोजगार

रायपुर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में वनवासियों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। इसके फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में वर्ष 2020-21 में लघु वनोपजों के संग्रहण तथा प्रसंस्करण आदि कार्यों से लोगों को 3 करोड़

मानव दिवस का रोजगार उपलब्ध हुआ है। इसमें लघु वनोपज संग्राहकों सहित आदिवासी-वनवासियों को 200 रूपए प्रतिदिन के हिसाब से 600 करोड़ रूपए की राशि के पारिश्रमिक का वितरण किया गया है।

इसके तहत वितरित पारिश्रमिक में तेंदूपत्ता संग्रहण के अंतर्गत 400 करोड़ रूपए तथा तेंदूपत्ता उपचारण एवं गोदामीकरण में 40 करोड़ रूपए की राशि शामिल है। इसी तरह प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ संजय शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2020-21 के दौरान लघु वनोपज संग्रहण में 140 करोड़ रूपए तथा लघु वनोपज उपचारण एवं गोदामीकरण में 14 करोड़ रूपए की पारिश्रमिक राशि वितरित की गई है। इसके अलावा लघु वनोपज के प्राथमिक प्रसंस्करण कार्य में 2 करोड़ रूपए तथा अन्य कार्यों के अंतर्गत 4 करोड़ रूपए की पारिश्रमिक राशि का भुगतान किया गया है।

सच्चा प्रियतम - संत दर्शन सिंह जी महाराज

अगर हम अपनी ज़िंदगी पर नज़र डालें तो हमें मालूम होगा कि जिन चीज़ों से हम प्यार करते हैं, वे सबकी सब नाशवान हैं। हम अपना सारा जीवन दुनिया और दुनियादारी के झंझटों में गंवा देते हैं। हम सबकी यही कोशिश होती है कि हमारी शारीरिक सेहत अच्छी हो, हमें अधिक से अधिक धन-दौलत मिले, हमारा नाम ऊँचा हो और हमें बहुत बड़ा पद मिले। लेकिन अक्सर हमने अपनी ज़िंदगी में देखा है कि इन चीज़ों से हमारी प्रीत सिर्फ थोड़े समय के लिए ही होती है क्योंकि इनमें से कोई भी चीज़ हमेशा-हमेशा के लिए हमारा साथ नहीं देती।

हमारी सेहत भी हमारा साथ नहीं देती। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती चली जाती है, वैसे-वैसे हमारी सेहत भी ढलती चली जाती है। अगर प्रभु ने हमें सौंदर्य दिया है तो वह भी उम्र के साथ ढल जाता है। जैसा कि कहा गया है कि ''चार दिन की चाँदनी, फिर अंधेरी रात।'' इसी तरह धन-दौलत भी हमारा साथ नहीं देती। हम अपने जीवन में देखते हैं कि जो लोग करोड़पति होते हैं, पलक झपकने भर में उनके पास इतने पैसे भी नहीं होते कि वो दो वक्तकी रोटी भी खा सकें। यदि हमारे पास कोई औहदा, पद या कुर्सी है तो वह भी हमारे साथ हमेशा नहीं रहती।

इसके अलावा हम यह भी देखते हैं कि इस दुनिया की नाम और शौहरत भी सदा के लिए हमारे साथ नहीं रहती। हमारे दोस्त, मित्र और रिश्तेदार जब तक हमारे पास धन-दौलत, शौहरत और कुर्सी होती

है, तब तक वे हमारे आस-पास घूमते हैं और हमें विश्वास दिलाते हैं कि यदि कहीं हमारा पसीना गिरेगा तो वे अपना खून बहा देंगे। पर जब किस्मत हमसे नज़रे फेर लेती है तो देखिए वे लोग किस तरह हम से आँखें चुराना शुरूकर देते हैं।

हम अक्सर यह देखते हैं कि जब किसी इंसान का आखिरी वक्त आता है तो उसके करीबी रिश्तेदार उससे यह पूछते हैं कि बताओ धन-दौलत कहाँ रखी है? सोना कहाँ दबाया हुआ है? और जो हमारे परिवार के सदस्य होते हैं वे हमारे शरीर को या तो शमशान में लेकर जला देते हैं या कब्रिस्तान में दफ़ना देते हैं।

ऐसे में हमारे मन में यह ख्याल आता है कि इस दुनिया में ऐसा कौन है जो हमारा इस दुनिया में भी और अगली दुनिया में भी अंत तक हमारा साथ निभाए? तब हमारा ध्यान प्रभु की ओर जाता है। जब हम अपने धर्मग्रंथों को पढ़ते हैं तो हमें यह पता चलता है कि प्रभु की सत्ता वक्त के किसी पूर्ण गुरु के ज़रिये इस दुनिया में काम करती है, वे ही हमारे सच्चे प्रियतम हैं। इसलिए हमें केवल उन्हीं से प्रीत करनी चाहिए। हमारा सच्चा साथी और सच्चा प्रियतम केवल गुरुही है, जो हमें नाम के साथ जोड़कर प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव करा देता है।

अंत समय दो चीजें ही हमारे साथ जाने वाली हैं, एक नाम और दूसरा गुरु। असल में वे दोनों एक ही हैं क्योंकि नाम भी गुरुकी देन है और गुरुसदेह नाम है। हम तो इस दुनिया की प्रीत को ही सच्चा मानते हैं, मगर वक्त के साथ-साथ यह साबित हो जाता है कि वह भी झूठी है।

गुरु शब्द का मतलब भी यही है कि जो हमें अंधकार में से निकालकर प्रकाश की तरफ ले चले। इसलिए हमें केवल अपने गुरु के चरण-कमलों में ही प्रीत लगानी चाहिए क्योंकि गुरुके सिवाय कोई भी हमारा सच्चा दोस्त या मित्र नहीं है। हमें यही चाहिए कि अगर गुरुखुशकिस्मती से हमें अपने चरण-कमलों में बुला ले और हमें नामदान की बख्शीश कर प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव करा दे तो फिर हमें दिलों-जान से उसकी शिक्षाओं पर चलना शुरू कर देना चाहिए और अपना सब कुछ उस पर न्यौछावर कर देना चाहिए। अगर हम अपना सब कुछ गुरुपर न्यौछावर कर देंगे तो फिर वह धीरे-धीरे हमें जिस्म-जिस्मानियत से ऊपर ले जाएंगे। हम एक ऐसे वातावरण में होंगे जहाँ सरमस्ती ही सरमस्ती होगी और हम धीरे-धीरे प्रभु में लीन हो जाएंगे।

रूहानियत का यही उसूल है कि इंसान और प्रभु के बीच में जो खुदी का पर्दा है, जब यह पर्दा गुरुकी दयामेहर से हट जाता है तो इंसान खुदा बन जाता है। गुरुही ऐसी हस्ती है जो हमें हमेशा के लिए प्यार करते हैं। वे इस संसार में भी हमारे सच्चे साथी, संगी और सलाहकार हैं। वे हमें अपनी छत्रछाया में रखते हैं और रूहानी मंडलों में ले जाते हैं। जहाँ वे हमें अपने आप में लीन कराकर हमें अपने निजघर सचखंड पहुँचा देते हैं और फिर हमारी आत्मा को प्रभु में लीन करा देते हैं। तभी हमारी ज़िंदगी का ध्येय पूरा होता है और चौरासी लाख जियाजून के चक्र से हम मुक्तिपा जाते हैं।

तो आईये! हम संकल्प करें कि ज़िंदगी का जो समय नष्ट हो चुका है उस ओर हम ध्यान न दें। मगर जो समय बचा है उसमें हम केवल अपने गुरुसे प्रीत करें क्योंकि केवल गुरुही है जिनका इश्क स्थायी है, अमर है और सच्चा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)